अंक - 10

जुलाई - 2021

शिक्षा के गोठ

मासिक ई - न्यूजलेटर

स्कूल शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ शासन

डॉ. कमलप्रीत सिंह
(भा.प्र.से.)
सचिव

छत्तीसगढ़ शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
कक्ष क्रमांक : एस - 1/19
मंत्रालय, महानदी भवन,
अटल नगर, जिला - रायपुर
दूरभाष : 0771-2510255
Email : singhkp2@ias.nic.in

अर्द्ध शास. पत्र क्र. 502/S. School/204
दिनांक 03/07/2021

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि स्कूल शिक्षा विभाग के अभिनव कार्यक्रम "पढ़ई तुंहर दुआर" में आपने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस वर्ष हमें स्कूल के स्वरूप में ही मोहल्ला क्लास का संचालन करना है। लर्निंग आउटकम व बच्चों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए नवाचारी तरीके से अध्यापन कराना होगा।

"शिक्षा के गोठ" की निरंतरता हेतु मेरी मंगलकामनाएं।

KPS

(डॉ. कमलप्रीत सिंह)

सम्पादकीय

कोरोना संक्रमण के कारण जब हम स्कूल प्रारंभ नही कर पा रहे है तथा बच्चे भी स्कूल जाकर शिक्षा लेने से वंचित हुए है निश्चित ही इन परिस्थितियों से बच्चों का स्तर प्रभावित हुआ है। हमारे बच्चे आगामी कक्षा में प्रमोट होकर पहुँच तो गए है लेकिन पिछली कक्षा की दक्षता उनमें नहीं आ पाई है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमारे शिक्षक एवं शिक्षाविदों के प्रयासों से एससीईआरटी छत्तीसगढ़ द्वारा पिछली व आगामी कक्षा को जोड़ने सेतु पाठयक्रम तैयार किया गया है। नई कक्षा के पाठयक्रम से शिक्षा प्रारम्भ के पहले कुछ माह तक शिक्षकों, द्वारा सेतु पाठयक्रम का अध्यापन कराया जाएगा, जिससे बच्चे शिक्षा रुपी सीढ़ी को चढ़ने में अपना प्रत्येक पग आसानी के साथ व समान रुप से रखकर आगे की कक्षा को समझेंगे।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारम्भ किए गए स्वामी आत्मानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल अब आकार लेता जा रहा है। विद्यार्थी वहॉ प्रवेश हेतु उत्साहित हैं वही स्कूल प्रबंधन प्रशासनिक व अकादमिक प्रबंधन जुटाने की ओर अग्रसर हो रहा है। हमारा प्रयास है कि जन जन तक शिक्षा को पहुँचाने के लिए बहुभाषा शिक्षा का व्यापक प्रचार-प्रसार हो। इसी तर्ज पर हमने राज्य की शालेय शिक्षा में बहुभाषा शिक्षण राज्य नीति के निर्माण हेतु प्रारंभिक स्तर पर तैयारी शुरु की है। पर्यावरण एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेबीनार एवं अनेक गतिविधियों में बच्चों की सहभागिता रही है।

राज्य स्तर पर शासन द्वारा पढ़ई तुहर दुआर पुनः प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए है। जिसके तहत मोहल्ला क्लास प्रारंभ करनी है, इस बार हमे कक्षा वार पाठ्यक्रम पूर्ण कराकर प्रत्येक बच्चे पर फोकस करना होगा। पहुँच विहिन क्षेत्रों में लाउडस्पीकर, बुल्टू के बोल, इत्यादि नवाचारी गतिविधियॉ की जा सकती है। नए शिक्षा सत्र की शुरुआत की ओर बढ़ रहे इन बच्चों को उनकी वर्तमान कक्षा में अवधारणा को समझाने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है, क्योकि वे अपनी पिछली कक्षा में सीखी गई बातों अर्थात पूर्व अनुभवों को भूल चुके है। इसी निरंतरता को बरकरार रखने के लिए सेतु पाठ्क्रम के माध्यम से एक माह के भीतर कक्षा दूसरी से आठवीं तक के शत्-प्रतिशत बच्चों में पाठ्य विषयों की बुनियादी दक्षताओं का कौशल विकास करना है, जिससे बच्चे अपनी वर्तमान कक्षा की पाठ्य वस्तु को आसानी से समझ सकें। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रारंभ करने के पूर्व तीस दिवसीय सेतु पाठयक्रम पूर्ण किया जाएगा।

यह अंक हमारे शिक्षकों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षा का सत्र प्रारंभ हो रहा है, और इस बार भी हमारे सामने विश्वव्यापी कोरोना महामारी के संक्रमण के चलते स्कूल के अलावा अन्य वैकल्पिक साधनों के जरिए सीखने की प्रक्रिया को जारी रखना है। यह अंक हमारे शिक्षकों को समर्पित है, जिन्होंने इन विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा में नवाचारी गतिविधियों का उपयोग करते हुए आपदा को अवसर में बदला हैं।

डी. राहुल वेंकट
संचालक आई.ए.एस.
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
छत्तीसगढ़

हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना : मुख्यमंत्री

राज्य में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल की संख्या बढ़कर हुई 171

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल मुंगेली का लोकार्पण किया। वर्चुअल लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार इस दिशा में लगातार प्रयास भी कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य के गरीब से गरीब बच्चे को निजी स्कूलों की तरह सुविधाएं मिले, वे भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई कर भावी प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को तैयार कर सकें, इस अवसर पर आगे कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का निर्माण भी करना है। इसमें स्कूल के परिवेश को इस तरह विकसित किया जा रहा है, जिससे हर बच्चा अपने व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास कर सकें।

कोरोना-काल में सभी क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की कि बच्चों को सतत रूप से शिक्षा मिलती रहे। कोविड-काल में बहुत से बच्चों ने अपने अभिभावकों को खो दिया है। कोरोना ने उनकी शिक्षा और भविष्य को लेकर भी संकट खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उनके शिक्षा और भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी उठाई है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना' शुरु की गई है। कोरोना से अपने अभिभावकों को खो देने वाले बच्चे यदि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं, तो उन्हें प्रवेश में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश स्कूल मुंगेली के छात्र-छात्राओं से बात-चीत कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

वर्चुअल कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक भी जुड़े। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू तथा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला भी उपस्थित थे।

छात्रा की फर्राटेदार अंग्रेजी सुन चकित हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल उस समय चकित रह गए जब उन्होंने सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के बच्चों से फर्राटेदार अंग्रेजी भाषा में वार्तालाप सुना। दरअसल मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज रायपुर से वर्चुअल तरीके से जुड़कर बलौदाबाजार जिले के विकास के लिए करोड़ों रुपए की सौगात दी। उन्होंने बलौदाबाजार में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट शासकीय अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेण्डरी स्कूल के नए परिवर्धित भवन का भी लोकार्पण किया।

कार्यकम का आयोजन अंग्रेजी स्कूल परिसर में किया गया था। स्कूल की कक्षा नवमीं की छात्रा मीनाक्षी नामदेव ने मुख्यमंत्री से बिना हिचक के फर्राटेदार अंग्रेजी में बात की। अंग्रेजी में अपना परिचय देते हुए स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं की मीनाक्षी ने जानकारी देते हुए बताया कि वे कक्षा 9वीं में शासकीय अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार में पढ़ती हैं। हमारा स्कूल बहुत अच्छा है। इस स्कूल में काफी अच्छी अधोसंरचना विकसित की गई है। शैक्षणिक वातावरण काफी अच्छा और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। स्कूल में पढ़ाई के लिए अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब, बायोलैब और प्ले-ग्राउण्ड आदि हैं। सभी बच्चे इस स्कूल में प्रवेश लेकर बहुत खुश हैं। मुख्यमंत्री सरकारी अंग्रेजी स्कूल के बच्चों का अंग्रेजी ज्ञान और आत्मविश्वास देखकर काफी खुश हुए और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महतारी दुलार योजना' से निजी स्कूल के छात्रों को मिलेगा लाभ

कोरोना महामारी से अपने माता-पिता या अभिभावक को खो चुके बच्चे जो निजी स्कूल में पढ़ रहे उनकी पढ़ाई का खर्च भी छत्तीसगढ़ सरकार उठाएगी। महतारी दुलार योजना का लाभ मिलेगा। प्राइवेट स्कूलों में पिछले एक साल से पढ़ रहे ऐसे बच्चे उसी निजी स्कूल में या स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में अपनी इच्छानुसार पढ़ सकेंगे।

कोरोना की वजह से माता-पिता अथवा परिवार के कमाऊ सदस्य को गंवा चुके बच्चों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार महतारी दुलार योजना लेकर आई है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई। यह योजना शैक्षणिक सत्र 2021-22 से शुरू हो रही है। इसके तहत सरकार ऐसे बच्चों को 12वीं तक की स्कूली शिक्षा नि:शुल्क देगी। वहीं हर महीने एक निश्चित छात्रवृत्ति भी मिलेगी।

इस योजना की पात्रता में आने वाले बच्चों को प्रदेश के शासकीय स्कूलों में नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। ऐसे बच्चों को राज्य सरकार के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे विद्यार्थियों को कक्षा पहली से 8वीं तक 500 रुपए प्रति माह और कक्षा 9वीं से 12वीं तक 1000 रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जाएगी। ऐसे बच्चों को स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रतिभावान विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण, कोचिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

छत्तीसगढ़ के मूल निवासी परिवारों के लिए यह योजना होगी। ऐसे बच्चे जिनके परिवार से कमाने वाले माता या पिता या दोनों की मृत्यु कोरोना की वजह से हो गई हो। ऐसे बच्चे भी इस योजना में शामिल किए जाएंगे जिनके घर में कमाने वाले वयस्क सदस्य के न रहने के कारण भरण-पोषण की समस्या हो गई हो।

इसके लिए विद्यार्थी या उसके अभिभावक की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन करना होगा। आवेदन का परीक्षण के लिए जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। इसमें स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग के एक-एक अधिकारी नामित होंगे। समिति की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर इसे मंजूर करेंगे। अगर जिला कलेक्टर को किसी स्रोत से ऐसे बच्चे की जानकारी मिलती है तो वे उसे जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे।

मोहल्ला कक्षा लेने वाले 36-36 शिक्षक हर जिले में होंगे पुरस्कृत

"मोहल्ला क्लास में जाके पढ़बो, तभे नवा छत्तीसगढ़ गढ़बो"

कोरोना लॉकडाउन के दौरान बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए संचालित पढ़ई तुंहर द्वार कार्यक्रम के दूसरे वर्ष की शुरूआत के पूर्व समग्र शिक्षक द्वारा आयोजित वेबीनार में स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने शामिल होकर नवाचारी शिक्षकों से बच्चों की शिक्षा और शिक्षा पद्धति के संबंध में चर्चा की। उन्होंने पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से नियमित कक्षा लेने वाले प्रत्येक जिले से **36-36** शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि वेबीनार में नवाचारी शिक्षकों के माध्यम से बच्चों की नियमित पढ़ाई की समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में बस्तर से लेकर सरगुजा तक के शिक्षकों से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की सोच के अनुसार 'मोहल्ला क्लास में जाके पढ़बो, तभे नवा छत्तीसगढ़ गढ़बो'। यह कार्य सभी नवाचारी शिक्षकों की सक्रियता से ही पूरा होगा। वेबीनार में **62** हजार से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने **22** नवाचारी शिक्षकों के अनुभव सुनें। लॉकडाउन का यह दूसरा सत्र है और अभी हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि स्कूल कब खुलेंगे। ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पिछले साल से भी बेहतर कार्य करना होगा। काम के तरीकों में बदलाव लाना पड़ेगा तभी हम अपने कार्य में सफल हो सकेंगे। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि कोरोना के पहले टेक्नोलॉजी का उतना अधिक उपयोग नहीं करते थे, लेकिन पिछले वर्ष बच्चे और बुजुर्ग भी नई-नई तकनीक सीखकर उसका उपयोग बड़ी आसानी से करने लगे हैं। छत्तीसगढ़ के शिक्षकों ने बहुत नवाचार किए हैं। नवाचारी शिक्षकों की मेहनत का प्रभाव देखने इस वर्ष की शुरूआत में ही बेसलाइन लेंगे और फिर बच्चों में आ रहे बदलाव पर लगातार नजर रखी जाएगी। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि बच्चों की पढ़ाई को रूचिकर बनाने के लिए विभिन्न विकल्पों को देखने और उनमें से अपनी परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर विकल्प का उपयोग करने के लिए स्वेच्छा से आगे आएं। सभी को किसी न किसी विकल्प का उपयोग कर विद्यार्थियों को सिखाना आवश्यक होगा।

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने कहा कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष स्थिति बेहतर है। स्कूलों में बच्चों को प्रवेश ऑनलाइन के माध्यम से दिया गया है। अब तक **49** लाख बच्चों की ऑनलाइन एंट्री स्कूलवार दर्ज हो चुकी है। इससे स्कूलवार मॉनिटरिंग हो पाएगी। शिक्षक अब एक-एक बच्चे की पढ़ाई का आंकलन कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि एससीईआरटी को निर्देशित किया गया है कि सभी विषयों के लिए आंकलन की प्रणाली विकसित करें। बच्चों से प्रश्नोत्तरी कराकर उनके उत्तर स्कूल रिकार्ड में रखे जाएं, ताकि उनके परिणाम में काम आएं। प्रमुख सचिव ने बताया कि सेतु पाठ्यक्रम पिछली कक्षा की दक्षता अच्छे से सिखाने के लिए तैयार किया गया है। जो बच्चे पिछली कक्षा की जिन बातों को नहीं सीखे हैं, उसे एक माह में पढ़ाएं, ताकि वर्तमान कक्षा की पढ़ाई के अनुसार बच्चे दक्षता हासिल कर सकें।

स्कूल शिक्षा सचिव एवं आयुक्त लोक शिक्षण डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि मोहल्ला या पारा कक्षा संचालन के लिए स्थान का चयन कर ऑनलाइन कक्षा को और प्रभावी बनाया जाए। इसके अलावा कक्षा संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किया जाए। प्रत्येक शिक्षक उस कक्षा के कोर्स के अनुसार टाइम टेबल बनाकर अध्यापन कार्य करे। उन्होंने कहा कि लर्निंग आउटकम सामान्य स्कूल की तरह हो। ऑनलाइन पढ़ाई का बच्चों को अधिक से अधिक लाभ मिले। स्थानीय संसाधन के माध्यम से पढ़ाई रोचक ढंग से हो पाए, इसका प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अच्छा शिक्षक जहां होगा, वहां बच्चे पढ़ने आएंगे। बच्चों की पढ़ाई के लिए समुदाय का सहयोग जरूरी है। इसके लिए स्थानीय सरपंच, पंच, शाला समिति के सदस्य और पालकों का सहयोग लिया जाए। वेबीनार में एनआईसी संचालक श्री सोम शेखर, सहायक संचालक समग्र शिक्षा डॉ. एम. सुधीश, ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर श्री आशीष गौतम, श्री ताराचंद जायसवाल, श्री आशुतोष पांडे, सुश्री रागिनी भी उपस्थित थे। वेबीनार का संचालन श्री प्रशांत कुमार पांडेय ने किया।

बच्चों की कक्षा के अनुरूप उनकी दक्षता का स्तर सुधारने सेतु अभियान
स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया शुभारंभ

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अपने निवास कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्मय से कक्षा दूसरी से आठवीं तक के बच्चों में उनकी वर्तमान कक्षा के अनुरूप दक्षता सुधारने के लिए तैयार किए गए सेतु अभियान का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के दौर में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई जिस तरह से चलनी चाहिए थी, वह उस तरह नहीं हो पाई। इसका परिणाम यह हुआ कि वह बच्चे जिस कक्षा में हैं, उनकी दक्षता का स्तर उस कक्षा के अनुरूप नहीं है। शासन की मंशानुसार राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सेतु पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक माह में कक्षा पहली से आठवीं तक के शत्-प्रतिशत बच्चों में पाठ्य विषयों की बुनियादी दक्षताओं और कौशल का विकास करना है।

स्कूल शिक्षा के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। वैकल्पिक साधन अपनाए जाने के बावजूद भी हमने उस स्तर को प्राप्त नहीं किया है। छोटी कक्षाओं में इसका असर ज्यादा हुआ है। नई कक्षा की पढ़ाई प्रारंभ करने से पूर्व हमें पिछली कक्षा के कौशल एवं दक्षताओं को प्राप्त करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए एससीईआरटी द्वारा सेतु पाठ्यक्रम (ब्रिज कोर्स) तैयार किया गया है। डॉ. कमलप्रीत सिंह ने यह भी कहा कि लगातार प्रशिक्षण से राज्यों के 'परफार्मेन्स ट्रेनिंग इंडेक्स' में भी सुधार की गुंजाइश है।

वेबीनार में एससीईआरटी के डायरेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कहा कि एससीईआरटी द्वारा पहले हर विषय के एक्सपर्ट की टीम गठित की गई। एक्सपर्ट को हर क्लास के जरूरी टॉपिक आइडेंटिफाई करने कहा गया। हर विषय के ऐसे टॉपिक्स को छांटने के बाद सेतु पाठ्यक्रम बनाया गया। उदाहरण के तौर पर अगर कोई छात्र चौथी क्लास में पहुंचा है तो हम उसे तीसरी के ऐसे टॉपिक पढ़ाएंगे जो चौथी की पढ़ाई से पहले उसके लिए जानना जरूरी है। एससीईआरटी द्वारा इस कार्य की मॉनीटरिंग भी की जाएगी।

एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे ने बताया कि इस बार की पढ़ाई पिछली बार से अलग होगी। इस बार में प्रत्येक कक्षा का टाइम टेबल बनाकर उस कक्षा की किताबों से ही पढ़ाया जाना है। यदि बच्चे को पिछली कक्षा का कौशल नहीं आता है तो इसी 'लर्निंग गैप' को पूर्ण करने के लिए सेतु अभियान प्रारंभ किया गया है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना के कारण सत्र **2020-21** में स्कूल सालभर बंद रहे। स्टूडेंट्स को ऑनलाइन क्लास, मोहल्ला क्लास के जरिए पढ़ाया गया। लाखों स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन क्लास अटैंड की। वहीं, हजारों छात्र ऐसे भी रहे जो रेगुलर क्लास अटैंड नहीं कर सके, फिर भी पास होकर अगली कक्षा में पहुंच गए। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने पिछली कक्षा में ठीक से पढ़ाई नहीं की, उन्हें नए सत्र में कई टॉपिक समझने में दिक्कत हो सकती है। इसे ध्यान में रखकर एससीईआरटी ने कक्षा दूसरी से **8**वी कक्षा तक के बच्चों के लिए एक महीने का ब्रिज कोर्स (सेतु पाठ्यक्रम) तैयार किया है। इसके तहत स्टूडेंट्स को टीचर एक महीने तक पिछली क्लास के जरूरी टॉपिक पढ़ाएंगे। ऐसे टॉपिक जो अगली कक्षा की पढ़ाई के लिए जानने जरूरी हैं, इसके लिए टीचर्स को ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

छात्र व शिक्षक जुड़ेंगे सेतु से.....

सेतु अभियान

कोरोना काल में विषम परिस्थितियों की परवाह न करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने विभिन्न नवाचारी प्रक्रियाओं का उपयोग सफलता पूर्वक कर बच्चों की शिक्षा को जारी रखने का सतत प्रयास किया। इस हेतु राज्य स्तर पर शासन द्वारा तैयार पढ़ई तुहर दुआर, पढ़ई तुहर मोहल्ला, लाउडस्पीकर, बुल्टू के बोल जैसे नवाचारी आनलाइन या आफलाइन माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखा।

इन तमाम प्रयासों के बावजूद महामारी के इस दौर में बच्चों का सीखना-सिखाना जिस तरह चाहिए था, वह उस तरह से नहीं हो पाया है, इसका परिणाम यह हुआ है कि जो बच्चे वर्तमान में जिस कक्षा में है, उनकी दक्षता का स्तर उस कक्षा के अनुरुप नहीं है। अभी जब हम एक नए शिक्षा सत्र के शुरुआत की ओर बढ़ रहे हैं तो इन बच्चों को उनकी वर्तमान कक्षा की पाठ्यवस्तु को समझने में निश्चित रुप से कठिनाई का अनुभव होगा, चूंकि उनका पिछली कक्षा में सीखना अपेक्षा के अनुरुप नहीं हो सका हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़ द्वारा विद्यार्थियों को उनकी वर्तमान कक्षा के स्तर के अनुरुप तैयार करने के लिए **30** दिवसीय 'सेतु अभियान' प्रारंभ किया गया। इस सेतु पाठ्यक्रम का उद्देश्य है कि कक्षा **1** से कक्षा **8** तक के सभी बच्चे एक माह में पिछली कक्षा की पाठ्य विषयों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कुशलता प्राप्त कर सकें, इससे बच्चों को यह लाभ होगा कि वे अपनी वर्तमान कक्षा की पाठ्यवस्तु को आसानी से आत्मसात कर सकेंगे।

जब आनलाइन या आफलाइन नई कक्षाए शुरु करेंगे तब परिषद द्वारा निर्मित यह सेतु पाठ्यक्रम बच्चों की पिछली कक्षा के पूर्वज्ञान को नई कक्षा के नए ज्ञान से जोड़कर किसी अवधारणा की एक स्पष्ट समझ बनाने में मददगार साबित होगा।

इस पाठ्यक्रम को बनाने के लिए प्रत्येक विषय में एक्सपर्ट की टीम गठित की गई। एक्सपर्ट द्वारा प्रत्येक क्लास के जरुरी विषयवस्तु को चिन्हित किया गया। उदाहरण के तौर पर अगर कोई छात्र चैथी क्लास में पहुंचा है तो उसे तीसरी के ऐसे विषय पढ़ाए जाएंगे, जो चौथी की पढ़ाई से पहले उसके लिए जानना जरुरी है। इस सेतु पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के लिए प्रत्येक कक्षा हेतु टाइम टेबल बनाए गए हैं। चूकि इस सत्र पूरे पाठ्यक्रम को पूर्ण करना है, इसलिए प्रत्येक कक्षा का टाइम टेबल बनाकर उस कक्षा की किताबों से ही पढ़ाया जाना आवश्यक हैं।

प्राथमिक कक्षा के लिए विद्या डांगे (हिंदी), सुशील राठौर (अंग्रेजी), के.के. शुक्ला (पर्यावरण), पी. आर. साहू (गणित), उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए डॉ. विद्यावती चंद्राकर (हिंदी संस्कृत), प्रीति सिंह (गणित) दिव्या लकरा (सामाजिक विज्ञान), जस्सी कुरियन (अंग्रेजी), पुष्पा किस्पोट्टा (विज्ञान) ने विषय समन्वयक का कार्य किया है।

सर्वे क्रमांक सत्रह – 26 मई, 2021 से 25 जून, 2021

बच्चों के लिए भेजे गए अभ्यास पुस्तिकाओं के उपयोग की स्थिति का आकलन

राज्य में बच्चों के अधिगम में सुधार लाने की दृष्टि से लर्निंग एन्हांसमेंट कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण कर यह अपेक्षा की गयी है कि ये पुस्तिकाएं बच्चों को उनके घर पर भेजते हुए उनसे इन पर व्यवस्थित तरीके से काम करवाया जाएगा। बच्चों के द्वारा अभ्यास पुस्तिकाओं पर किए जा रहे कार्यों की जांच कर उसमें सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा।

इस बाबत सर्वे किए जाने पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए-

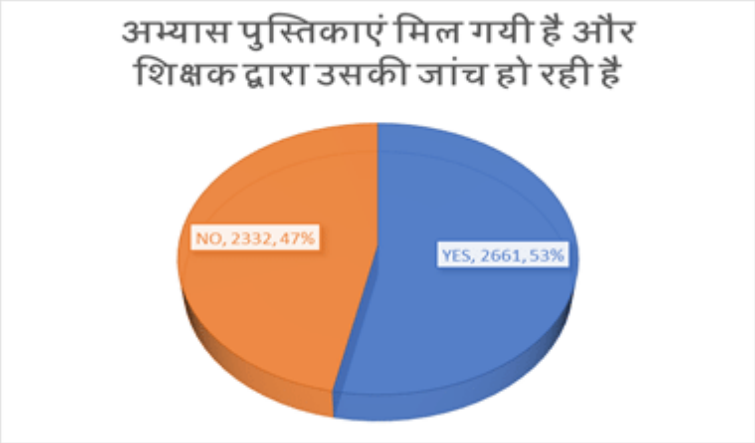

53% विद्यार्थियों द्वारा यह सूचित किया गया कि उनको अभ्यास पुस्तिकाएं मिल गयी हैं और शिक्षक उनके कार्यों की जांच कर सुधार हेतु प्रेरित करते हैं।

70% शिक्षकों द्वारा यह सूचित किया गया कि उन्होंने बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएं देते हुए उन पर बच्चों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

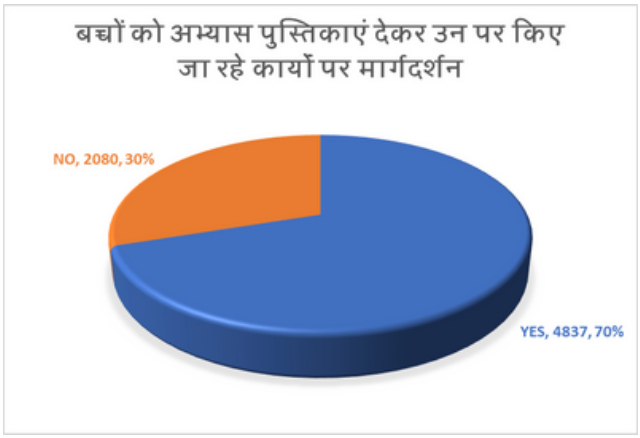

इस कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने तत्काल निर्देश प्रसारित करने के साथ-साथ इसे सोशियल ओडिट में भी शामिल किया जाना आवश्यक होगा ताकि समुदाय एवं पालक इस कार्य को सुनिश्चित कर सके और बच्चों को घर पर बिठाकर अभ्यास पुस्तिकाओं पर कार्य कर सकें।

JULY 2021

TIMES OF SAGES

Choose wisely, Prepare well!

Students at the verge of graduating from high schools and poised to make long term career choice are going through mixed choices and emotions due the constantly changing scenario. Whether to take up Science, Commerce and arts is no more a question, it is more about whether these pathways will lead them to a promising career start. Today, students are heavily impacted by the changing learning environment, they are also affected due to the changes in conventional model of assessment and evaluation, board examination schedule, changes in geopolitical movement and policies, and upheavals in the job market. Due to this, many students are now reconsidering the career choices they were about to make.

How should students plan their career pathways ?

1) Focus on soft skills: Learning in the pandemic world lies outside the classroom. A supremely critical skill brought to the fore by the pandemic is the ability to learn and unlearn new things and apply them in rapidly changing contexts. 'The Future of Jobs Survey (2020)' report published by the World Economic Forum lists analytical thinking and innovation, active learning strategies, complex problem solving, critical thinking and analysis, leadership and social influence, creativity and originality, emotional intelligence, resilience, reasoning and ideation, and service orientation among the top skills employers will be looking for by 2025. The trying global situation is an exemplary period for developing some of these skills such as leadership, resilience, courage, emotional intelligence, service-orientation, among others.

2) Discover and nature your hobbies seriously: Going forward, some industries may shape differently from others and the technical skills needed for careers will evolve rapidly. In the face of this reality, students need to start thinking about how their interests align with career paths that will be most valuable and fields that will see the most growth. For students interested in science and technology, medicine and engineering are no longer the only viable choices. Health services beyond traditional medicine, health research, AI, data analytics, cloud computing, cybersecurity, etc are also exciting opportunities. Once the dust settles, the fields of human and social development are also going to witness growth, with a growing need for social workers, and volunteerism and social work becoming important on student resumes. More than ever before, the jobs of tomorrow showcase the continuing importance of human interaction in the new economy that require communication skills. It is now all the more imperative for students to focus on digital learning, soft skills, and vocational education, to emerge as job-ready in the post-pandemic world.

3) Passion vs paycheque: Today, there are several routes to a satisfying career. A well-paying job is an ineffective metric for success. Meaning and purpose in your job are important factors for job satisfaction. With a renewed perspective on what a 'dream job' constitutes, the possibilities of what makes a successful career are boundless. However, hundreds of options inevitably result in the 'paradox of choice'. Setting students up for success and supporting them with professional guidance as they make critical choices about what to study, where to study, and how to make it happen in a post-pandemic world is a responsibility that lies with their schools. Career counselling in schools can help students explore a range of careers by assessing their personality, interests, strengths and weaknesses. It helps them achieve the desired confidence to make decisions with the support of an experienced mentor. It is now more critical than ever for schools to invest their human resources to provide career guidance and counselling to their students.

Conclusion: A career is a lifelong journey of self-exploration and self-expression. The right counselling at the right time is a critical tool to help students get set for this journey. It gives them guidance and direction and schools will really need to realign their strategies for the evolving needs of students.

STATE LEVEL WEBINARS AND EVENTS

A state level #tag day was celebrated on June 7, where teachers and students were encouraged to spread awareness, detect and prevent foodborne risks, contributing to **food** security, human health, economic prosperity, agriculture, market access, tourism and sustainable development. Many students and teachers hared photographs of healthy food prepared by them in the learning community to spread the message of eating healthy and hygienic food.

A state level webinar was organised by SAGES Janjgiri Charoda on career guidance. It is imperative to note that the pandemic has left students in a state of mixed choice. Many students who had decided to pursue a pathway are now reconsidering their choice. The webinar was graced by guest speakers from St. Thomas College Bhilai. Over 1,800 students participated in the LIVE session. The registered participants were also issued certificate by the Principal Mrs Mini Gopinathan.

SAGES Schools of Excellence, across Chhattisgarh celebrated the International Yoga day on 21 June to spread the message of inculcating Yoga as a part of life. Practiced in India since the 5th century, Yoga has been beneficial in keeping the body and mind in sound health. A holistic approach, Yoga targets all the different systems of the body and mind. It is said that the asanas make the body strong and flexible, as health improves; the mind too is renewed with confidence. With this message the SoEs are encouraging students to practice Yoga everyday. Many of the schools are also planning to incorporate this part of the daily class timetable along with other sports.

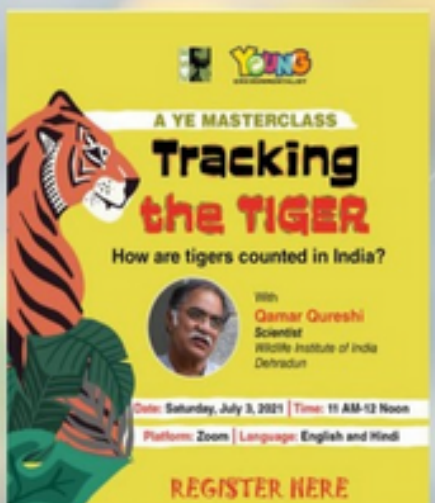

Coming next...

An open to all National webinar is being organised by Young environmentalist, a leading magazine on environment protection in India. Many students and faculties from SAGES School of Excellence have also registered in the webinar and will learn the importance of preserving our natural forest and animals dwelling in them. In particular, the students will be taught the significance of tigers in our ecology and how the tiger counting takes place. This free and open to all webinar will be conducted by Qamar Qureshi, a leading Scientist at Wildlife Institute of India, Dehradun. The webinar will be held on July 3. 2021 and like for registration is https://bit.ly/3643Lgu

#sagesinnews

सौगात | जिलावासियों को दी 379 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

बीजापुर में सर्व सुविधायुक्त सेन्ट्रल लाईब्रेरी की घोषणा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आत्मानन्द स्कूल की छात्रा से किया संवाद

लॉटरी से कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्रों का हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

नन्हे-मुन्नों ने भी दिया योग का संदेश..

जगदलपुर. शहर के स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन योगाभ्यास का आयोजन कराया गया. संस्था की प्राचार्य श्रीमती मनीषा खत्री ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाला के सभी बच्चे, शिक्षक एवं स्टाफ ने अपने अपने घरों में रहकर योगाभ्यास किया और विभिन्न योग मुद्राओं में तस्वीरें साझा की.

बच्चों ने कबीर के दोहों का किया शानदार वाचन

■ ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन

बार ऑनलाइन प्रवेशोत्सव: घर में बैठे ही क्षा में गए बच्चे, पालकों ने लगाया टीका

प्राचार्य ने स्वागत उद्बोधन दिया

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल के छात्रों ने सीखा मॉडल बनाना

हरिभूमि
रायपुर - धमतरी भूमि
13 May 2021

योग, गणित एवं गार्डनिंग सहित दी जा रही रोचक जानकारियां

ऑनलाइन समर कैंप में छात्र हो रहे हुनरमंद

कार्टून बनाकर वैभव ने पाया इनाम

जगदलपुर@ पत्रिका . विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्टून वॉच मीडिया द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर कार्टून चित्रकला प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

शिक्षा के लिए इंग्लिश मीडियम स्कूल शासन की महत्वपूर्ण योजना

बच्चों ने चित्रकला में दिया पर्यावरण में जागरूकता का संदेश

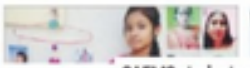

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

SAEMS students participate in online summer camp

Central Chronicle News

SAGES: YOUNG PROFESSIONALS LEARNING COMMUNITY

Most active members for the month of June 2021

1		**Deepshikha Rawat** Joined 20 weeks ago	106	9,260	18,481
2		**Sangita Saha** Joined 20 weeks ago	337	7,813	5,290
3		**Deepti Chandrakar** Joined 20 weeks ago	64	8,760	10,241
4		**Anjana Singh** Joined 8 weeks ago	208	7,378	11,359
5		**Adesh Kaur Bindra** Joined 20 weeks ago	153	5,900	8,015
6		**Shruti Pandey** Joined 20 weeks ago	269	4,929	7,791
7		**Santosh Kumar Nishad** Joined 12 weeks ago	143	1,767	2,245
8		**Manju Mukesh Garg** Joined 20 weeks ago	136	1,718	9,952
9		**Varsha Sahu** Joined 16 weeks ago	58	1,238	1,416
10		**Jagruti Samir Digraskar** Joined 11 weeks ago	69	1,118	2,113

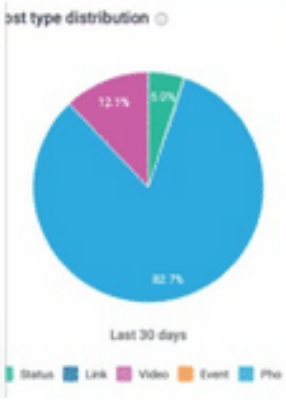

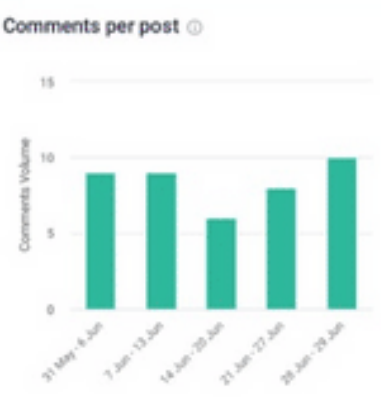

छत्तीसगढ़ वर्चूअल स्कूल

शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास के कारन अनेक देशों में प्रोधोगिकी का उपयोग कर वर्धुअल स्कूल के स्थापना की गई हैं। वर्तमान में कोविद १९ महामारी के कारन विद्यालयों में नियामत अध्यापन कार्य बंद हैं ऐसी विषम परिस्थति में भी विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अंतर्गत वर्धुअल स्कूल की स्थापना की गई है। कोई भी विद्यार्थी अध्ययन हेतु नियमित विद्यालय में प्रवेश न लेकर वर्धुअल स्कूल में भी अध्ययन हेतु प्रवेश ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ में वर्धुअल स्कूल का संचालन छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के द्वारा किया जायेगा। वर्धुअल स्कूल में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अनुसूची तथा प्रमाण पात्र छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा प्रदत्त किया जायेगा। इस सम्बन्ध में 1 July 2021 को राज्य स्तरीय वेबिनार आयोजन किया गया।

इस राज्य स्तरीय वेबिनार में निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई :

1. मान्यता
2. प्रवेश प्रक्रिया
3. पाठ्यक्रम
4. प्रवेश हेतु अर्हता
5. पाठ्य सामग्री एवं परीक्षा योजना
6. असाइनमेंट के प्रक्रिया
7. मेंटॉर एवं शिक्षकों की भूमिका

यधि आप मेंटॉर/वर्चूअल स्कूल में शिक्षक बनना चाहे तो अधिक जानकारी के लिए इस साइट को देखें :
http://virtualschool.cg.nic.in

CGSOS द्वारा विस्तृत जानकारी इस वेबिनार की रिकॉर्डिंग लिंक पर उपलब्ध कराई गई हैं :
https://bit.ly/3dtsYVI

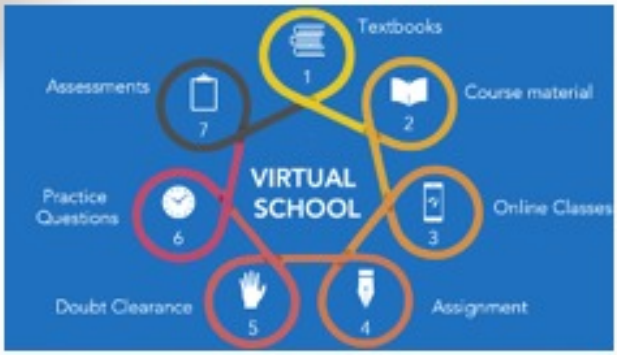

सीख

(पालकों और समुदाय की मदद से बच्चों को सीखने का अवसर)

(राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण और UNICEF CG का संयुक्त प्रयास)

एकाएक स्कूल बन्द होने के कारण बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बाधित हुई है ।कोविड-19 के कारण यह स्थिति कब तक ऐसे ही रहेगी इसके बारे में कुछ भी कहना अभी संभव नहीं है इसलिए यूनिसेफ़ ने **"सीख"** प्रोग्राम के माध्यम से पालकों और समुदाय कि सहभागिता से बच्चों के लिए मज़ेदार और सरल सीखने-सिखाने के अवसर तैयार किये हैं। सीख कार्यक्रम को स्वयंसेवी (सीख मित्र) के माध्यम से चलाया जाता है । ये सीख मित्र समुदाय के ही पढे लिखे युवा है । जो कि समाज सेवा के प्रति समर्पित है । कुछ समर्पित शिक्षक भी इसमे शामिल है जिनहोने बच्चों के सीखने मे मदद की । यूनिसेफ के अकादमिक और तकनीकी समूह ने भाषा ,गणित ,विज्ञान ,खेल के गतिविधि आधारित सरल और रोचक वीडियो बनाकर स्कूल और समुदाय को भेजे गए । छत्तीसगढ़ राज्य में "सीख" कार्यक्रम की शुरूवात सुकमा (छिंदगढ़ ब्लॉक), जशपुर (दुलदुला ब्लॉक) , रायगढ़ (रायगढ़, तमनार, खरसिया ब्लॉक), धमतरी (सभी 4 ब्लॉक) और रायपुर (तिल्दा एवं अभनपुर) के सभी प्राथमिक स्कूलों से की गयी थी । वर्तमान में ये सीख कार्यक्रम 11 जिलों में जिला प्रशासन सहयोग एवं मार्गदर्शन में संचालित है। जिले इस प्रकार है बीजापुर ,नारायणपुर ,सुकमा ,दंतेवाडा , बस्तर ,धमतरी, रायपुर ,दुर्ग ,सूरजपुर, जशपुर और रायगढ़। इस वर्ष इस में कुछ और जिले के शामिल होने की उम्मीद है जैसे गोरिल्ला -पेंड्रा- मरवाही आदि।

सीख प्रोग्राम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों को मजबूत बनाने के लिए प्राथमिक स्कूलों के सभी बच्चों को निरंतर सीखने में सहायता करने के अवसर देना है। इस प्रयास से घर और समुदाय में बच्चों के लिए रोचक तरीको से सीखने के अवसर सृजन किये जाएंगे ताकि बच्चों के लिए सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को आनंददायक बनाया जा सके।

इस कार्यक्रम में अभिभावकों और अन्य कोई भी स्वयंसेवक , जो बच्चों को सीखने-सिखाने में मदद करना चाहते हैं उन के साथ WhatsApp ग्रुप के माध्यम से सीखने की सामग्री को साझा किया जाता है । जिनका उपयोग बच्चों के साथ मिलकर घर या समुदाय स्तर पर किया जा रहा है ।इसके साथ ही खेल कूद के माध्यम से समुदाय को सामाजिक मानसिक सहयोग देने के लिए युनिसेफ, Sports for Development (S4D) के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम भी संचालित किया जाता है।

इसके साथ कुछ बुनियादी विज्ञान, खेल और जीवन कौशल शिक्षा गतिविधियाँ भी होती है । ये गतिविधियाँ पालकों के दैनिक दिनचर्या से संबंधित होंगी ताकि इन्हें करने में पालकों को कोई परेशानी न आए। कोविड -19 से संबंधित विशेष सावधानियों पर जागरूकता की जानकारी पूरे कार्यक्रम के दौरान दी जाती है । इन स्वरूपों में चित्रण, छोटे वीडियो, पोस्टर / पृष्ठ आदिके साथ एक स्पष्ट निर्देश जो की ऑडियो क्लिप के रूप में सरल कार्यपत्रक शामिल होते है ।उदाहरण के लिए अगर एक विडियो साझा की है तो उसके साथ एक ऑडियो

क्लिप द्वारा उस विडियो में बच्चे और पालक को क्या करना उसे समझाया जाएगा। ऑडियो क्लिप से पालकों को गतिविधि को समझने में अधिक मदद मिलती है।

सीख कार्यक्रम में पालको ने सीख की गतिविधियों मे खुद भाग लिया और बच्चो की सीखने मे मदद की । सीख कार्यक्रम मे अब तक 14000 सीख मित्र जुड़ चुके हैं स्व प्रेरणा से इसमे शामिल हैं । छत्तीसगढ़ के 37 विकासखंडों के 6000 स्थानो को शामिल किया गया है । प्राथमिक विधयालय जाने वाले 1,60,000 बच्चे सीख से जुड़े हैं । सीख के 200 वीडियो बनाए गए जिनहे यू ट्यूब पर डाला गया जहां से कोई भी इनका लाभ उठा सकता है ।

Some Glimpses of Seekh Programme

START

आमाराइट प्रयोजना

शासकीय प्राथमिक शाला - जामझरिया
संकुल - पेंट विकासखण्ड - मैनपाट
आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

SCHOOL DISE CODE - 22020403003

शासकीय प्राथमिक शाला - जामझरिया
संकुल - पेंट विकासखण्ड - मैनपाट
आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

DISE CODE - 22020403003

शासकीय प्राथमिक शाला - जामझरिया
संकुल - पेंट विकासखण्ड - मैनपाट
आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

शासकीय प्राथमिक शाला - जामझरिया
संकुल - पेंट विकासखण्ड - मैनपाट
आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

DISE CODE - 22020403003

शासकीय प्राथमिक शाला - जामझरिया
संकुल - पेंट विकासखण्ड - मैनपाट
आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

आमाराइट प्रायोजना
AM I RIGHT

GOVT P.S . JAMJHARIYA (MAINPAT)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021-शिक्षक/बच्चों ने किया घर मे ही योग-प्रणायाम

योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग अभ्यास शरीर एवं मन, विचार एवं कर्म, आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मात्र व्यायाम नहीं है, अपितु स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व स्थापित करने का साधन है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता उत्पन्न करता है तथा प्राकृतिक परिवर्तनों से शरीर में होने वाले बदलावों को सहन करने की शक्ति प्रदान करता है। योग स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए पूर्णतावादी दृष्टिकोण प्रदान करता है। योग जीवन के सभी पहलुओं में सामंजस्य स्थापित करता है इसलिए रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन और जीवनशैली संबंधित अनेक विकारों के प्रबंधन के लिए जाना जाता है। योग अभ्यास व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ एकीकार कर देता है।

दिनांक **21** जून **2021** को" सातवाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस" का ऑन लाईन वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन **SCERT**, **CG**, रायपुर द्वारा प्रातः **7:00**बजे से **8:15** बजे तक किया गया। उक्त कार्यक्रम में **SCERT**, **CG**, **CTE** ,रायपुर,**IASE** ,बिलासपुर, छ. ग. प्रदेश के सभी **DIET's** ,**BTI's** के अधिकारी, कर्मचारी, छात्राध्यापक एवं अन्य नागरिकगण सहित कुल **3805**(तीन हजार आठ सौ पाँच) प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन ज्ञान प्रकाश द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक एवं योग प्रकोष्ठ प्रभारी, एस. सी. ई.आर. टी.,छ. ग., रायपुर द्वारा किया गया जिसमें सहयोगी के रूप में सच्चिदानंद शास्त्री, व्याख्याता,एस. सी. ई.आर. टी.,छ. ग., रायपुर, छबि राम साहू, सहायक प्राध्यापक, डाइट- रायपुर, श्रीमती ज्योति बैद, क्रीड़ा अधिकारी ,डाइट- रायपुर, श्री भास्कर देवांगन, प्रधान पाठक एवं श्री डी. आर. साहू जी शिक्षक उपस्थित रहें।

कोरोना महामारी के बीच **7**वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। छत्तीसगढ़ मैं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सभी स्कूली शिक्षकों और और बच्चों के द्वारा घर पर रहकर योग किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षकों के द्वारा अलग-अलग वेबीनार भी आयोजित किए गए छत्तीसगढ़ में शिक्षको ने सभी को ये संदेश दिया कि योग का कोई दिन नही होता इसे मनुष्य को प्रतिदिन करके अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शहर के घर-घर में योगाभ्यास किया गया गया। कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए लोग घरों, आंगन तथा आसपास के खाली स्थान में बैठ कर शरीर को निरोग रखने के लिए योगासन करने के साथ ही औरों को भी योग साधना करने के लिए प्रेरित किया। योग से शरीर में रोग निरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ विभिन्न रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। कोरोना काल में योग से शरीर को निरोग रखने, अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्राकृतिक आपदा से बचने का आह्वान किया गया।

पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन शिक्षक रामकुमार वर्मा के संयोजन, शिक्षिका के. शारदा तथा रीता मंडल के सहयोग से संपन्न हुआ। प्रारंभ में आयोजक शिक्षिका के शारदा ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अपने महासभा में **1972** को विश्व पर्यावरण पर्यावरण दिवस मनाए जाने तथा **5** जून **1974** से पहले पर्यावरण बनाए जाने की विशेष जानकारी दी। शिक्षक रामकुमार वर्मा ने वृक्षारोपण की दिशा में जन सहयोग, ग्रामीणों, युवकों को जोड़कर ऑक्सीजन जोन बनाने की अपील की।

मुख्य वक्ता श्री प्रशांत पांडेय, सहायक संचालक राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्रोतों का आनंद लेने तथा संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। अतिथि वक्ता एवं पर्यावरणविद डॉ. अनीता सावंत ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्यावरण व उसके पंचतत्व के महत्व को जीवन शैली से जोड़ा गया है। अतः बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्रोतों के पुनर्भरण व ऊर्जा के स्रोतों का समुचित उपयोग के लिए शिक्षकों से अपील की। प्रशिक्षण अधिकारी लव कुमार सिंह ने पर्यावरण को चार आर रिड्यूस ,रीयूज ,रीसाइकिल एव री थिंकिंग के द्वारा बच्चों में बचपन से पर्यावरण के प्रति चेतना पैदा करने की अपील की। शिक्षक विवेकानंद दिल्लीवार ने अपने स्कूलों में किए गए वृक्षारोपण के प्रयासों को बताते हुए बच्चों को निरंतर साथ में जोड़कर प्रयास करने की अपील की।शिक्षिका रीता मंडल ने सत्र का संचालन किया और साथ ही प्रकृति के संरक्षण में लगातार प्रयास करने की अपील की। शिक्षिका नंदिनी देशमुख ने अपने गांव बोरी की "हमर हरियर गांव समिति" द्वारा **500** पेड़ लगाए जाने व सुरक्षित रखने का उदाहरण रखकर जन समुदाय को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने की अपील की।

अब असाक्षर भी पढेंगे मोहल्ला साक्षरता केंद्र में

प्रदेश के गृह, जेल तथा लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू द्वारा महासमुंद जिले के शिक्षार्थी को आखर झाँपी प्रदान किया गया

राज्य में पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत बच्चों के अलावा अब अशिक्षित पालकों को भी बुनियादी साक्षरता प्रदान कर शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ा जाएगा। शैक्षणिक संस्थाओं के बंद होने के कारण बच्चों को शिक्षित करने पालकों की जिम्मेदारी अब बढ़ गई है। प्रथम चरण में अशिक्षित पालकों को शिक्षित किया जाएगा। अब बच्चों की तर्ज पर असाक्षर पढेंगे मोहल्ला साक्षरता कक्षा में।

राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा **17** व **18** जून को आयोजित राज्य स्तरीय वेबीनार में अशिक्षित पालकों को शिक्षित करने के लिए बनायी गई रणनीति के संबंध में विषय विशेषज्ञों के साथ प्रदेश के सभी जिलों के ब्लॉक, नगरीय, संकुल, ग्राम पंचायत और वार्ड प्रभारियों को सीधे रूबरू होकर चर्चा की गई। इन दो दिनों की चर्चा में **20** हजार से अधिक लोगों ने यू-ट्यूब के माध्यम से भाग लिया।

पढ़ना-लिखना अभियान के तहत् राज्य स्तरीय वेबीनार का शुभारंभ राज्यगीत से किया गया। इस अवसर पर साक्षरता पर केन्द्रित एक थीम सांग भी दिखाई गयी। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी श्री प्रशांत कुमार पाण्डेय ने पढ़ना-लिखना अभियान के उद्देश्य, लक्ष्य एवं प्रभारियों के कार्य दायित्व के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

वरिष्ठ सलाहकार श्री सत्यराज अय्यर ने पालकों के लिए नवाचारी गतिविधियों के बारे में प्रभावशाली प्रस्तुति दी। यूनीसेफ की सलाहकार डॉ. मनीषा वत्स द्वारा पठन-पाठन गतिविधियों का संचालन के संबंध में बताया। प्राधिकरण की परियोजना सलाहकार सुश्री नेहा शुक्ला द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल, पढ़ना-लिखना अभियान के एप्प में शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों की पुस्तकों के साथ फोटो अपलोड़ करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

राज्य स्तरीय वेबीनार में अभियान के प्रभारियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर प्राधिकरण के सहायक संचालक श्री प्रशांत कुमार पाण्डेय और श्री दिनेश कुमार टांक द्वार दिए गए। बेबीनार का संचालन परियोजना सलाहकार सुश्री निधि अग्रवाल ने किया इस अवसर पर प्राधिकरण के श्री महेश वर्मा, श्री डमरूधर दीप, कृष्णा गौर, कविता लिखार उपस्थित थे। ।

सफलता की कहानी

व्हाट्सएप ग्रुप से शिक्षा

21वीं सदी में कोरोना एक ऐसी महामारी या विपदा के रूप में आई जिसने पूरे विश्व को झकझोर कर रख दिया । वैश्विक अर्थव्यवस्था ठप पड़ गई। लोग अपने ही घरों में लॉक हो गए। किंतु जैसे कि कहा जाता है कि चलना ही जिंदगी है।

ऐसे में शिक्षिका स्वाति पांडेय जिसने सदैव अपने कर्तव्यो को पहली प्राथमिकता दी। एवं बच्चों का भविष्य संवारने के कार्य में लगी रही उन्हें नीरसता से, कुंठा से, महामारी से दूर रखते हुए उनकी शिक्षा को निरंतर जारी रखी।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन
इन्हीं पंक्ति को कृतार्थ करने की जिम्मेदारी स्वाति पांडेय ने बखूबी निभाई।

छत्तीसगढ़ सरकार ने पढ़ई तूहर दुवार योजना प्रारंभ की। उससे पहले ही शिक्षिका ने व्हाट्सएप में एक ग्रुप बनाकर पढ़ाना स्टार्ट कर दिया था।इसके बाद छत्तीसगढ़ स्कूल सीजी पोर्टल पर अपने विद्यार्थियों का नंबर रजिस्टर करवाने के पश्चात उन्होंने ऑनलाइन कक्षाएं लेना प्रारंभ किया जिसमें अन्य जिलों के विद्यार्थी भी शामिल होने लगे। क्लास को रोचक बनाने के लिए ऑनलाइन प्रैक्टिकल, प्रतियोगिता का आयोजन एवं कई नवाचारी गतिविधियों का समावेश करते हुए ऑगमेंटेड रियलिटी, टाय पेडागोजी तथा टी.एल.एम का उपयोग करते हुए अपनी क्लासेस का आयोजन करती रही।जिन विद्यार्थियों के पास मोबाइल की सुविधा नहीं थी उनके लिए ऑफलाइन क्लासेस लेना शुरू किया। इस प्रकार कोरोना कॉल में ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लास के माध्यम से उन्होंने अपने स्कूल के विद्यार्थियों के अलावा राज्य स्तर के अन्य स्कूल के बच्चों को भी पढ़ाई में निरंतरता प्रदान करने में उन्हें काफी खुशी प्राप्त हुई इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा जिसके कारण कोरोना कॉल उनके लिए पैनिक ना होकर अपने आप को साबित करने का एक मौका था। शिक्षिका स्वाति पांडेय की ऑफलाइन क्लासेस काफी रोचक रही जिसकी प्रशंसा राज्य स्तर तक की गई।

सफलता की कहानी

"पीडीऍफ़ गुरूजी"

आपदा को अवसर में बदलने का साहस कर पाते हैं। सूरजपुर जिले के शासकीय प्राथमिक शाला पाठकपुर, विकासखण्ड एवं जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़ के सहायक शिक्षक धर्मानन्द गोजे ने कोविड काल में अपने संकल्प शक्ति और समर्पित भाव से निरंतर कार्य कर एक मिसाल कायम की हैं।
इन्होने प्रथम लॉकडाउन से ही अपने शैक्षिक नवाचार का प्रदर्शन "पीडीऍफ़ गुरूजी" के रूप में किया। इस नवाचार में शिक्षक ने एक ऐसी व्यवस्था तैयार की जिसकी सहायता से कम तकनीकि क्षमतावाले छात्रों को एक ही स्थान पर पढ़ई तुहर दुआर पोर्टल की पाठ्य सामग्री बगैर यूआरएल के मिल जाये और बिना रूकावट अपनी पढाई जारी रख सके।

"पीडीऍफ़ गुरूजी" को जिले और राज्यस्तर पर काफी सराहना मिली। इसके उपरांत शिक्षक श्री धर्मानन्द गोजे ने स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों के लिए एक ई-बाल पत्रिका "बाल स्पंदन" का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया। यह सूरजपुर जिले की प्रथम ई-पत्रिका हैं जिसका उपयोग छात्र और शिक्षक कर रहे हैं।

कोविड काल में शिक्षक श्री धर्मानन्द गोजे ने न केवल नवाचार किये वरन अघोषित कोरोना वारियर्स के रुप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई हैं चाहे कोविड सर्वे हो या चेक पोस्ट हर जगह मुस्तैदी के साथ समर्पित भाव से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। वर्ष **2020** में जागरूकता अभियान संचालन के दौरान कोरोना पाजिटिव भी हुए और चिकित्सा उपरांत स्वस्थ्य हो कर पुनः अपने कार्य को अभी भी निरंतर जारी रखा हैं।
इस दौरान शिक्षक श्री धर्मानन्द गोजे अपने जिले में पीएलसी ब्लॉक इकाई के लिए पुस्तिका का भी निर्माण में भी इनका योगदान रहा इन्होने अंग्रेजी विषय पर अपना कार्य प्रकाशित किया। साथ ही अपनी पीएलसी के लिए विभिन्न विषयों पर **100** से अधिक बिग बुक तैयार कर जिले में मिसाल कायम की हैं। ये सभी बिग बुक बाल केन्द्रित हैं अलग-अलग विषय आधारित संकल्पना और सरल से कठिन की ओर की अवधारणा पर आधारित हैं।

इन्होने डीवीडी मास्टर का नवाचार करते हुए अपने संकुल क्षेत्र के बच्चों को पाठ्य सामग्री का एक कम्बो पैक तैयार कर डीवीडी मास्टर के रुप में उपलब्ध कराया हैं।
शिक्षक श्री धर्मानन्द गोजे केवल अपने जिले में ही कार्य नही कर रहे हैं उनका योगदान राज्य की कई योजनाओं में रहा हैं इन्होने पढई तुहर दुआर पोर्टल में एप्रूवर के तौर पर सैकड़ो विडिओ का अवलोकन कर उन्हें उनका उचित स्थान दिया हैं।

वर्तमान में राज्य चर्चापत्र समूह का संचालन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी का निर्वहन करने वाले शिक्षक श्री धर्मानन्द गोजे के नाम छत्तीसगढ़ राज्य का पहला चर्चापत्र पॉडकास्ट तैयार करने का श्रेय दिया जाता हैं इन्होने कोविड काल के दौरान राज्य भर के शिक्षकों से ऑनलाइन सम्पर्क कर केवल **48** घंटे की सिमित समयावधि में पॉडकास्ट तैयार कर पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षकों को उपलब्ध कराया हैं। साथ ही अनवरत हर माह राज्य चर्चापत्र के साथ चर्चापत्र पॉडकास्ट का नियमित प्रसारण की जिम्मेदारी इन्हें राज्य द्वारा दी गई हैं।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री धर्मानन्द गोजे के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में कई कार्य किये हैं और लगातार समर्पण भाव के साथ बेहतरीन कार्य कर रहें हैं। शिक्षक राज्य ब्लॉग लेखक का भी कार्य कर रहे हैं जिन्होंने कई शिक्षकों और छात्रों के ब्लॉग का लेखन भी किया हैं साथ ही स्थानीय बोली सरगुजिहा बोली में अनुवाद का भी लेखन कर रहे हैं। अनवरत अपने शैक्षिक कार्यो नवाचार कर रहे हैं हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

सफलता की कहानी

अभ्यास पुस्तिका में बेहतर कार्य कराने वाली शिक्षिका

आप जब बेहतर करने की ठान लेते है तो विषम परिस्थितियां भी आपके अडिग हौसले के सामने अनुकूल हो जाता है स्कूल अनिश्चित काल के लिए बंद है, लेकिन चुनौती भी है कि बच्चों की पढाई बाधित न हो। जिस भी माध्यम से बच्चों तक पाठ्यक्रम पहुंचे, उसे पहुँचाना है और बच्चों को शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़े रखना है। शिक्षक विभागीय निर्देशों का पालन करते हुए नित नए नवाचार में जुटे हुए है। बच्चों तक शिक्षा पहुँच रहा है। " पढ़ई तुंहर दुआर " कार्यक्रम अपने नाम को चरितार्थ कर रहा है। कार्यक्रम से जुड़े हर इकाई अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तन्मयता से कर रहा है।

विकासखंड घरघोड़ा,जिला रायगढ़ के अंग्रेजी माध्यम शाला के शिक्षिका श्रीमती रीति पंडा, जिन्होंने पूरे कोरोना काल में बच्चों को शिक्षा के मुख्यधारा से जोड़े रखा और बच्चों के व्यक्तित्व विकास, भाषायी कौशल विकास,लेखन सुधार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से बच्चों को अधिगम के लिए प्रेरित करते हुए सक्रिय रखा |

अभ्यास पुस्तिका में ऑनलाइन अभ्यास कार्य – लॉकडाउन के समय में बच्चों की भाषायी दक्षता, लेखन कौशल को बढ़ावा देने हेतु एवं स्वाध्ययन के विकास हेतु विभिन्न प्रकार के कार्य देकर उनका ऑनलाइन मॉनिटर किया |

अंग्रेजी लेखन व स्पीकिंग अभ्यास हेतु प्रयास – कर्सिव राईटिंग के साथ-साथ वीडियो एवं ऑडियो के माध्यम से बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स से भी जोड़ा गया और विडियो-ऑडियो माध्यम से रोज उनको दैनिक उपयोग में आने वाले शब्दों व छोटे-छोटे वाक्यों को इंग्लिश में बोलने के लिए प्रेरित किया गया |

विज्ञान एवं कला के प्रायोजना कार्य - बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि जागृत करने के उद्देश से पूरे वर्षभर विज्ञान के छोटे-छोटे प्रयोजना कार्य कराया गया | जिसमें कबाड़ से जुगाड़ कर विभिन्न प्रकार के विज्ञान के सहायक शिक्षण सामग्री(TLM) का निर्माण कराया गया |

शिक्षण नवाचार में बच्चों को अभ्यस्त कराना - कबाड़ से जुगाड़ साइंसइज,फन लर्निंग बाय प्लेयिंग बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट इन नवाचार का प्रयोग शिक्षिका के द्वारा किया गया |

राज्य स्तरीय कला उत्सव में बच्चों की सहभागिता – विभिन्न जयंती व दिवसों पर उससे संबंधित विभिन्न प्रकार के निबंध,लेख, पोस्टर, पेंटिंग का ऑनलाइन प्रतियोगिता कराया जाता है

आमाराइट प्रयोजना कार्य - राज्य कार्यालय के निर्देश पर बच्चों को ग्रीष्मकाल में सक्रिय अधिगम में संलग्न रखने के लिए निर्धारित प्रारूप में प्रोजेक्ट वर्क दिया गया है |

सफलता की कहानी

कोविड -19 के नियमों का पालन करके सतत् बच्चों के घर जाकर उनके पढ़ाई लॉकडाउन अवधि में फोन के माध्यम से ये सतत् उनसे जुड़े हुए हैं

अभ्यास पुस्तिका :- कक्षा पहली के लिए वर्णमाला, वर्णमाला चार्ट, मेरी भाषा मेरी बोली कार्य पुस्तिका, नींव : हर घर स्कूल - हिन्दी अभ्यास पुस्तिका, कक्षा पहली और दूसरी के लिए स्थानीय भाषा में वार्तालाप पुस्तिका (छत्तीसगढ़ की सभी प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में), गढ़बो नवा छत्तीसगढ़, सीढ़ी - भाषा हेतु सहायिका, कक्षा दूसरी के लिए अभ्यास पुस्तिका हिन्दी, गणित और अंग्रेज़ी, कक्षा तीसरी से पाँचवी के लिए अंग्रेजी भाषा में कर्सिव लेखन अभ्यास पुस्तिका, कक्षा तीसरी हेतु **Mini Reader - Read to Succeed, Apart but not alone**, कक्षा चौथी के लिए स्वतंत्र लेखन हेतु " पढ़ो सोचो और अपने मन से लिखों " एवं राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण हेतु अभ्यास पुस्तिकाएँ प्रदाय की गई है। श्री चंदेल जी ने अभ्यास पुस्तिका वह पुस्तिका जिसमें अभ्यास के लिए कुछ लिखा जाता है, उसे अभ्यास पुस्तिका कहा जाता है।

यह निश्चित ही बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कारगर साबित होगी। समग्र शिक्षा द्वारा प्राप्त सभी अभ्यास पुस्तिका काफी अच्छे तरीके से बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर कुशल विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसमें बच्चों के सीखने से संबंधित छोटी - छोटी बातों को काफी बारिकी से संजोया गया है और सभी अभ्यास पुस्तिकाओं में बच्चों को सीखने के पर्याप्त अवसर दिये गये हैं। श्री चंदेल जी के द्वारा अभ्यास पुस्तिकाओं में दिये गये अभ्यास कार्य को कॉपी में कराया जाता है, क्योंकि इससे अभ्यास पुस्तिका का ज्यादा समय तक उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को अभ्यास पुस्तिका में दिये गये गणित के प्रश्नों को अलग - अलग तरीकों से अभ्यास कराया जाता है, ठीक ऐसे ही अन्य विषयों के प्रश्नों की भी निरन्तर अभ्यास कराया जाता है। इस कार्य में शिक्षा सारथी और पालक सहयोग कर रहे हैं। इनके द्वारा फोन के माध्यम से बच्चों और शिक्षा सारथियों को उचित मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से बच्चों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना :- श्री गुना राम चंदेल जी के द्वारा लॉकडाउन के शुरूआती दिनों में बच्चों को व्हॉटसअप ग्रुप के माध्यम से निरन्तर पाठ्य सामग्री जैसे - वीडियो, ऑडियो और प्रश्नबैंक के पीडीएफ फाईल उपलब्ध कराया गया, जिससे बच्चे पढ़ाई से जुड़े रहे।

मोहल्ला कक्षाओं का सफल संचालन :- श्री चंदेल जी के द्वारा शुरूआत में गाँव के **3-4** भूतपूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से मोहल्ला क्लास का संचालन किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गांव के शिक्षित युवाओं को जो शिक्षा दान हेतु स्वैच्छा से तैयार हो,उन्हें शिक्षा सारथी के रूप में नियुक्त करने हेतु निर्देश दिया गया , जिसके बाद इन्होंने गांव के **18** युवाओं को शिक्षा सारथी के रूप में नियुक्त करके, इन्हें गाँव के अलग - अलग वार्ड में संचालित मोहल्ला क्लास की जिम्मेदारी सौंपी गई। इनके द्वारा सभी शिक्षा सारथियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए इनके द्वारा एक मोहल्ला क्लास में लगभग **12-15** बच्चों को सम्मिलित किया गया। शिक्षा सारथियों के द्वारा सुबह - सायं दोनों समय मोहल्ला क्लास का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन क्लास के माध्यम से बच्चों को नि:शुल्क नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयारी :- श्री चंदेल जी के द्वारा जुलाई **2020** से अद्यपर्यन्त बच्चों को ऑनलाइन क्लास के माध्यम से नि:शुल्क नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा तैयारी हेतु विशेष कोचिंग का आयोजन प्रतिदिन प्रात: **7:00** बजे से प्रात: **7:50** बजे तक किया जा रहा है। इसमें इनके विद्यालय के साथ अन्य जिले और राज्य के लगभग **70** बच्चे भी सम्मिलित हो रहे हैं। इनके द्वारा गूगल फार्म के माध्यम से नियमित टेस्ट लिया जाता है , जिसमें बच्चे काफी उत्साह के साथ सम्मिलित होते हैं।

सफलता की कहानी

"गुरु है ज्ञान का सार.. हर बच्चे के जीवन का आधार"

छत्तीसगढ शासन द्वारा निखार योजना के अंतर्गत अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण सभी स्कूलों में किया गया है। कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों को आपके द्वारा संचालित मोहल्ला कक्षा में अभ्यास पुस्तिका को भरना सिखाया गया। वर्तमान में लॉकडाउन की वजह से माध्यमिक शाला जोबा के बच्चे घर पर रह कर आपके मार्गदर्शन एवं पालकों के सहयोग से इन अभ्यास पुस्तिकाओं से सीखने का कार्य कर रहे हैं। हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी की कर्सिव राइटिंग की पुस्तिकाओं से बच्चे मन लगाकर पढ़ लिख रहे हैं। सामान्य जानकारी एवं बच्चों के सीखे ज्ञान के स्तर को बनाए रखने के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया जाता है, जिससे बच्चों की जिज्ञासा तृप्त होती हैं।

समय पर फोन करके एवं व्हाट्सएप के माध्यम से बच्चों की समस्याओं का समाधान करके पूर्णतः सहयोग प्रदान किया जाता है। इस प्रकार बड़ी ही सुगमता से विभिन्न अभ्यास पुस्तिकाओं का अभ्यास बच्चों को कराया जा रहा है, जिसका भरपूर लाभ बच्चों को मिल रहा है।

इनके द्वारा किये गये अन्य महत्वपूर्ण कार्य :-

पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के अंतर्गत कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए ग्राम जोबा में समुदाय एवं शिक्षा सारथी के सहयोग से **3** अलग - अलग स्थानों पर मोहल्ला कक्षा संचालित किया गया, जिसमें सिन्हा सर के द्वारा बच्चों को खेल - खेल में ही गतिविधि आधारित शिक्षा दिया गया, जिससे बच्चों में पढ़ने लिखने के प्रति रुचि जागृत हुई। इस प्रकार मोहल्ला क्लास पूरी तरह सफल रहा।

प्रिंटरिच गांव - इन्होंने अपने गांव जोबा को प्रिंटरिच बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इनके द्वारा स्कूल के आसपास एवं गांव के सात मोहल्ले की लगभग हर दीवार पर बच्चों के सीखने के लिए विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक तथ्यों कों प्रिंट किया गया, जिसमें गणित की संक्रियाएँ, अंग्रेजी वर्णमाला, हिंदी में पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, संधि समास, प्रकाश संश्लेषण एवं विज्ञान के अन्य चित्र, जड़ विन्यास आदि अवधारणाओं को चित्र के माध्यम से समझाया गया। इस प्रकार गांव की अधिकांश दीवारे बच्चों एवं ग्रामीणों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बन गई। इसका लाभ बच्चों के साथ - साथ नव साक्षरों को भी मिल रहा है। प्रिंटरिच परिवेश के लिए बच्चों एवं ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग मिला।

कबाड़ से जुगाड मेला - श्री सिन्हा ने अपने संकुल में शून्य निवेश नवाचार के अंतर्गत कबाड़ से जुगाड मेले का सफल आयोजन कराया जिससे शिक्षा को सुगम और रुचिकर बनाकर बच्चो को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

विभिन्न गतिविधियां - पढ़ाई के साथ-साथ ये अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करते है,जिसमें महिला शिक्षिकाओं के सम्मान के लिए महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

सहायक शिक्षण सामग्रियों का निर्माण - इनके द्वारा विभिन्न टी.एल.एम. का निर्माण कर कक्षा में प्रयोग किया जाता है एवं शिक्षकों को भी प्रेरित किया जाता है, जिससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सहज, सरल और अधिक कारगर हो जाती है।

इस प्रकार श्री सिन्हा बच्चों एवं पालकों से जुड़कर शिक्षा का अलख जगा रहे है।

सफलता की कहानी

"हाथ बांधे क्यों खड़े हम , हादसों के सामने
हादसे भी कुछ नहीं , हौसलों के सामने ।"

प्राथमिक शाला श्यामतराई में पदस्थ अस्थि बाधित दिव्यांग शिक्षिका सुश्री कहकशा ताज जिनके समक्ष इनकी समस्याएं कभी भी अपना सर नहीं उठाती। अगर हम पीछे मुड़कर देखे तो 1 वर्ष अधिक समय व्यतीत हो चुका है। जब संपूर्ण विश्व कोविड-19 जैसे विकराल वैश्विक महामारी का सामना कर रहा है। एक तरफ जहां पूरा विश्व नेस्तनाबूत और हतप्रभ हो चुका है, वही दूसरी तरफ कुछ ऐसी विभूतियां है, जिन्होंने इस विकराल महामारी के सामने भी अपने कंधे नहीं डालें और डटकर इनका सामना कर रहे हैं। इसी तारतम्य में शैक्षिक जगत में विशेष कार्य हेतु सम्मानित छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना पढ़ई तुंहर दुआर में नित नए प्रयोग हो रहे हैं और वह सफलता की चरम सीमा को लांघ रहे हैं। जिसके अन्तर्गत शासन द्वारा निखार योजना को प्रारंभ किया गया।

इस योजना में अभ्यास पुस्तकों का वितरण सभी स्कूलों में किया गया और बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़े रखा और इन सभी कार्यक्रमों में हमारे शिक्षकों ने विशेष योगदान दिया है। जिसमें सुश्री कहकशा ताज का योगदान अविस्मरणीय है, इन्होंने न केवल अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण प्रारंभ किया बल्कि किस प्रकार से अध्ययन की जाती है और किन गतिविधियों के माध्यम से इन अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से ज्ञानार्जन किया जा सकता है। उसको नए स्वरूप में बच्चों के समक्ष रखा जिससे बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के अंतर्गत इनके महत्वपूर्ण कार्य

मोहल्ला क्लास का संचालन :- इन्होंने लगातार अपने विद्यालय के ग्रामीण परिवेश में कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए अध्ययन गतिविधियों को मोहल्ला क्लास के रूप में सुचारू रूप से संचालित रखा और बच्चों को इससे विशेष लाभ भी हुआ।

गतिविधि आधारित शिक्षण :- सुश्री कहकशा ताज विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से अध्यापन का कार्य करवा रही चाहे वो छोटे-छोटे वीडियो हो या ऑडियो अथवा अन्य गतिविधियां जैसे खेल सामग्रियों के माध्यम से गणित जैसे कठिन विषय को आसानी से हल करने की विधियों को सुचारू रूप से संचालित कर रहीं हैं।

टी एल एम का प्रयोग :- इन्होंने स्थानीय उपलब्धता के आधार पर विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक सामग्री का निर्माण किया जो लगातार ये अपने अध्यापन कार्य के दौरान प्रयोग करती हैं। साथ ही बच्चों में नई क्रिएटिविटी जागृत करने के लिए इन्होंने बच्चों के माध्यम से भी खेल सामग्रियों का निर्माण करवाती हैं।

नवीन टेक्नोलॉजी का उपयोग :- जैसा कि आधुनिक युग पूर्णतः टेक्नोलॉजी पर निर्भर है। शिक्षिका ने भी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। उन्होंने व्हाट्सएप के माध्यम से अपने परिवेश के बच्चों व पालकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप का निर्माण किया,जिसमें बालक व उनके बड़े भाई बहन इत्यादि ग्रुप में सम्मिलित हैं और घर में जो भी शैक्षणिक गतिविधियां या नए तरीके इजाद किया जाता है। वह इनके द्वारा से ग्रुप में शेयर किया जाता है ,जिसके कारण वह सभी विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है। साथ ही शिक्षिका स्वयं भी शैक्षणिक गतिविधियां आधारित वीडियो बनाकर उसमें डालती है,जिससे बच्चे आसानी से मनोरंजन पूर्ण वातावरण में अध्ययन की प्रक्रिया को जारी रख सके।

राज्य स्तरीय आयोजन

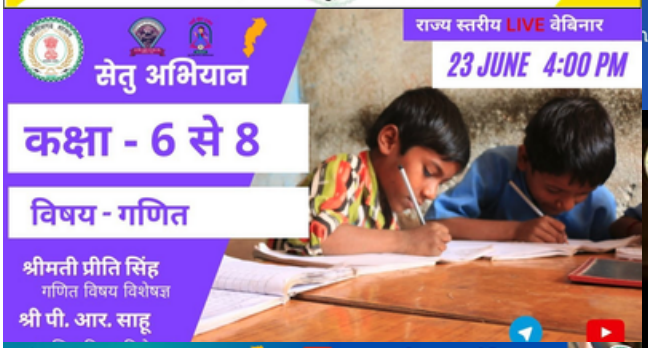

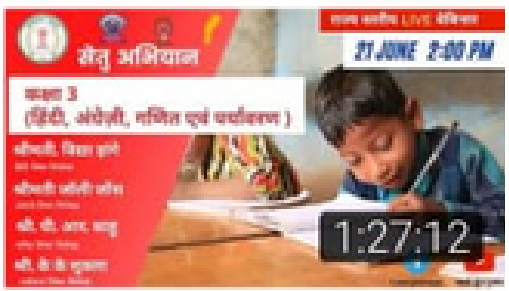

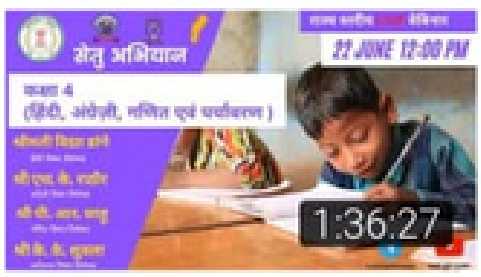

फोटो गैलरी

मीडिया गैलरी.......

CMO Chhattisgarh @ChhattisgarhCMO

कोरोना काल में दिवंगत शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों के परिजनों को शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति दिलाने हेतु छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्

#CGShowsTheWay

Translate Tweet

शिक्षा विभाग में हफ्तेभर में 700 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति

- तृतीय श्रेणी के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति
- मुख्यमंत्री के निर्देशों पर अमल के लिए विभाग ने चलाया अभियान
- आगामी एक सप्ताह में 79 शेष आवेदकों की नियुक्ति की तैयारी

CG govt launches 'setu course' to fill education gap widened due to pandemic

Times News Network

Raipur: With an objective to overcome the Coronavirus pandemics impact on students' education, the Chhattisgarh government has launched Setu Course to improve the efficiency of children of classes I to VIII in accordance to their present class.

As per the instructions of state government, a special bridge course has been prepared by the State Council of Educational Research and Training Chhattisgarh with an objective to develop the basic competencies and skills of their subjects in 100 per cent of the children of classes I to VIII in one month.

School education minister Dr Premsai Singh Tekam launched the campaign through video conference at his residence office

School education minister Dr Premsai Singh Tekam recently launched the campaign through video conference at his residence office here. The minister said on the launch occasion that the Setu Curriculum would prove helpful in creating a clear understanding of a concept by linking the previous knowledge of the children with the new knowledge of the new class.

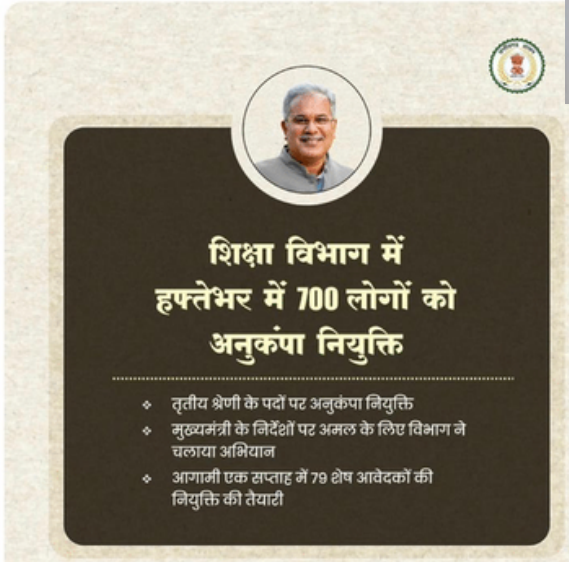

He said that at present the whole world is battling with the pandemic. Even in these difficult circumstances during the pandemic, the school education department made an effort to continue the education of the children by successfully using various innovative methods of teaching both online and offline.

Despite all these efforts, the level of proficiency of the children in the class in which they are presently is not as per that class. These children who are approaching the start of the new academic session, may experience difficulty in understanding the concept in their current class, as they have forgotten what they learned in their previous class. To maintain this continuity, 100 per cent of the children of classes I to VIII will have to develop the skills of basic competencies of the text subjects within a month through the Setu curriculum, so that the they can easily understand the concepts of their current class, he said.

The minister instructed all district education officers across the state to ensure that 30 days bridge course is compulsorily completed before the students start their studies for the next class.

पत्रिका PLUS 03 पत्रिका patrika.com रायपुर, सोमवार, 28 जून, 2021

स्कूल शिक्षा विभाग का वेबिनार, मंत्री टेकाम हुए शामिल

22 टीचर्स के इनोवेटिव आइडियाज से क्रिएटिव होगी ऑनलाइन पढ़ाई

बेहतर परफॉर्म करने वाले हर जिले के 36 शिक्षक होंगे पुरस्कृत

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर. कोरोना लॉकडाउन के दौरान बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए संचालित पढ़ई तुंहर द्वार कार्यक्रम के दूसरे वर्ष की शुरुआत से पहले वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने शामिल होकर नवाचारी शिक्षकों से बच्चों की शिक्षा और शिक्षा पद्धति के संबंध में चर्चा की।

49 लाख बच्चों की ऑनलाइन एंट्री

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला ने प्रवेशित बच्चों के नाम स्कूलवार उपलब्ध है। अब तक 49 लाख बच्चों की ऑनलाइन एंट्री स्कूलवार दर्ज हो चुकी है। इससे स्कूलवार मॉनिटरिंग हो पाएगी। स्कूल शिक्षा सचिव एवं आयुक्त लोक शिक्षण डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि मोहल्ला या पारा कक्षा संचालन के लिए स्थान का चयन कर ऑनलाइन कक्षा को और प्रभावी बनाया जाए।

काम के तरीके में लाना होगा बदलाव

मंत्री ने कहा, लॉकडाउन का यह दूसरा सत्र है और अभी हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि स्कूल कब खुलेंगे। ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पिछले साल से भी बेहतर कार्य करना होगा। काम के तरीकों में बदलाव लाना पड़ेगा तभी हम अपने कार्य में सफल हो सकेंगे। छत्तीसगढ़ के शिक्षकों ने बहुत नवाचार किए हैं। अब समय है कि इन नवाचारों को हम बच्चों की उपलब्धि में सुधार की दिशा में बदल सकें। नवाचारी शिक्षकों की मेहनत का प्रभाव देखने इस वर्ष

'36 teachers in each district to be rewarded for good work'

- Around 62,000 teachers attended the webinar organised ahead of the commencement of the second year of Padhai Tuhar Duar

Staff Reporter

RAIPUR, June 28

School Education Minister Dr Premsai Singh Tekam addressing the webinar attended by teachers.

SCHOOL Education Minister Dr Premsai Singh Tekam said that 36 teachers each from the districts of Chhattisgarh will be honoured on the basis of their performance in the Mohalla Classes being run under the Padhai Tuhar Duar scheme of State Government, aimed at maintaining continuity in the education system.

पढ़ाई के 5 तरीके: ऑनलाइन, बुलटू के बोल, मिस्ड कॉल गुरुजी, लाउडस्पीकर, तुंहर मोहल्ला

प्रति छात्र दिया जाएगा मानदेय { शीघ्र लांच } तैयारियां लगभग पूरी

वर्चुअल स्कूल के लिए नियुक्त होंगे मेंटर

नवभारत EXCLUSIVE

20 से 40 विद्यार्थियों को कराना होगा वर्चुअल स्कूल में प्रवेश

ओपन स्कूल के अधीन संचालित होगा वर्चुअल स्कूल

विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने पर भी मानदेय

असाइनमेंट में उत्तीर्ण होने पर पात्रता

बच्चों को दिए जाएंगे असाइनमेंट

हाई और हायर सेकंडरी के बच्चों को भी मोहल्ला क्लास तक लाने निर्देश

सेतु अभियान पर भी जोर

छात्रों के पढ़ाई के लिए मॉनिटरिंग के लिए बनाए गए मोडल

मीडिया गैलरी.......

आज की जनधारा | आंचलिक

मोहल्ला कक्षा लेने वाले हर जिले में 36-36 शिक्षक होंगे पुरस्कृत

● स्कूल शिक्षा मंत्री की घोषणा, राजनांदगांव की शिक्षिका ज्योति उइके ने राज्य स्तरीय वेबीनार में साझा किये अपने अनुभव

पढ़ाई के 5 तरीके: ऑनलाइन, बुलटू के बोल, मिस्ड कॉल गुरुजी, लाउडस्पीकर, तुंहर मोहल्ला

खाद्य मंत्री ने बतौली में किया मोहल्ला साक्षरता कक्षा का शुभारंभ

एक स्वयं सेवी शिक्षक 10 असाक्षरों को बनाएंगे साक्षर

नवभारत न्यूज ◆ अंबिकापुर/बतौली.

जनपद में पढ़ना-लिखना अभियान के तहत मोहल्ला साक्षरता कक्षा का शुभारम्भ किया. पढ़ना-लिखना अभियान के प्रथम चरण में बतौली विकासखण्ड के कुनकुरीकला, खड़धोवा, सिलमा तथा चिरंगा को चयनित किया गया है. यहां स्वयं सेवक शिक्षक चयनित कर मोहल्ला वार असाक्षरों का सर्वे एवं बैचिंग का कार्य किया गया है. एक स्वयंसेवी शिक्षक 10 असाक्षरों को...

केन्द्र के स्वयं सेवक को स्लेट ...

10 हजार असाक्षरों को साक्षर बनाने का लक्ष्य

सरगुजा जिले में पढ़ना-लिखना अभियान के तहत 10 हजार असाक्षरों को साक्षर करने हेतु मोहल्ला साक्षरता कक्षा का संचालन जिले के सभी जनपदों के चयनित ग्राम पंचायतों में 1 जुलाई से प्रारंभ किया जा रहा है. इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुनिया बाई, उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, जनपद ...

पढ़ई तुंहर दुआर : फिर से चालू होगी मोहल्ला और लाउडस्पीकर क्लास

● नवभारत न्यूज ◆ रायगढ़.

www.navbharat.org

शासन ने जारी किया आदेश | ताकि बच्चों को पढ़ाई से जोड़ा जा सके

इस साल भी स्कूली बच्चों की पढ़ाई मोहल्ला और लाउड स्पीकर क्लास से ही पूरी होगी. पढ़ई तुंहर दुआर के तहत ऑनलाइन पढ़ाई भी होगी.

इसके लिए शुक्रवार को शासन की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है. बीते साल इस जिले में इन योजनाओं से पढ़ाई पूरी कराई गई थी और इस साल भी अब ऐसे ही होने वाली है.

कोरोना संक्रमण के कारण अभी स्कूल खोलने की संभावना नहीं है. ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पूरा करने के लिए बीते साल की तर्ज पर इस साल भी उन तरकीबों को अपनाने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए शासन ने ...

दिया है. इसमें ऑनलाइन पढ़ाई के लिए पढ़ई तुंहर दुआर के साथ मोहल्ला क्लास और लाउड स्पीकर क्लास के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई पूरी होगी. इस दौरान भी कोरोना के सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी होगा.

मिल गया परमिशन : शासन से आदेश नहीं आने के कारण इस जिले में इन सब तरकीबों को अपनाने की तैयारी पहले से ही की जा रही थी

इसमें पढ़ई तुंहर दुआर के तहत ऑनलाइन पढ़ाने के लिए जो सिस्टम बेवेक्स के लिए कलेक्टर के माध्यम से ...

की प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई थी. हालांकि शासन से आदेश मिलने के बाद इसकी जरुरत अब नहीं पड़ेगी.

नवभारत हमें बताएं
सुधि पाठकों के लिए यदि आपको नवभारत प्राप्त नहीं हो रहा हो या उसके स्थान पर अन्य अखबार दिया जा रहा है तो संपर्क करें-
MOBILE
9009325000
9406325000

पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंडा

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन नवाचारी शिक्षक रामकुमार वर्मा के संयोजन, शिक्षिका के शारदा, रीता मंडल के सहयोग से संपन्न हुआ। प्रारंभ में आयोजक शिक्षिका के शारदा ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अपने महासभा में 1972 को विश्व पर्यावरण पर्यावरण दिवस मनाए जाने तथा 5 जून 1974 से पहले पर्यावरण बनाए जाने की विशेष जानकारी दी। शिक्षक राम कुमार वर्मा ने पौधारोपण की दिशा में जन सहयोग, ग्रामीणों, युवकों को जोड़कर ऑक्सीजन जोन बनाने की की अपील की। मुख्य अतिथि प्रशांत पांडेय, सहायक संचालक राज्य साक्षरता प्राधिकरण रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्त्रोतों का आनंद लेने तथा संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। पर्यावरणविद डॉ अनीता सावंत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महत्व को जीवन शैली से जोड़ा गया है। अतः बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्त्रोतों के पुनर्भरण व ऊर्जा के स्त्रोतों का समुचित उपयोग के लिए शिक्षकों से अपील की। प्रशिक्षण अधिकारी लव कुमार सिंह ने पर्यावरण को चार आर रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल एव री थिंकिंग के द्वारा बच्चों में बचपन से पर्यावरण के प्रति चेतना पैदा करने की अपील की तथा प्रकृति को सदैव देने वाला बताया।

शिक्षक विवेकानंद दिल्लीवार ने अपने स्कूलों में किए गए पौधारोपण के प्रयासों को बताते हुए बच्चों को निरंतर साथ में जोड़कर प्रयास करने की अपील की। दो घंटे के वेबीनार में विजय लक्ष्मी, अनीता, खेमलता गोस्वामी, सोनिया ध्रुव, पुष्पा परमेश्वर, नीलम सोरी, युगल राजपूत, आदित्य, मिलिंद चंद्रा, प्रज्ञा सिंह, दीपिका श्रीवास्तव, आदित्य राजपूत, वंदिता शर्मा, किरण मिश्रा, वर्षा जैन, रमेश पाण्या, सीमा यादव, स्वप्निल किरण मिश्रा, विवेक वर्मा, निधि अग्रवाल, नितेश यादव आदि

परियोजना-2 की शुरू

शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण

अंडा। शिक्षकों ने राज्य स्तर पर वेबीनार किया। इसमें मुख्य अतिथि सहायक संचालक राज्य साक्षरता प्राधिकरण रायपुर प्रशांत पांडेय ने कहा कि बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्रोतों का आनंद लेने तथा संरक्षित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। पर्यावरणविद डॉ. अनीता सावंत ने संस्कृति में पर्यावरण को जोड़ने कहा। रामकुमार वर्मा ने जन सहयोग, ग्रामीणों व युवकों को जोड़कर ऑक्सीजन जोन बनाने की अपील की।

शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश के लिए लॉटरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बेमेतरा

■ कक्षा पहली में प्रवेश के लिए किया गया बच्चों का चयन

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के अन्तर्गत संचालित शासकीय शिवलाल राठी उत्कृष्ट (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय बेमेतरा में शुक्रवार को शासन से प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित सीट के विरूद्ध कक्षा पहली के लिए लॉटरी के माध्यम से बच्चों का चयन किया गया। लॉटरी की इस प्रक्रिया को पारदर्शिता के साथ पालकों, जनप्रतिनिधियों एवं सम्पन्न कराया गया। इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। जनप्रतिनिधियों एवं पालकों की उपस्थिति में रखते हुए कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए लॉटरी की प्रक्रिया कराई गई। कक्षा पहली में प्रवेश के लिए लॉटरी प्रक्रिया के दौरान शकुंतला मंगत साहू, नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा, विधायक प्रतिनिधि आशीष पार्षद कलावती भगत, सहायक संचालक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा कमोद ठाकुर, जिला परियोजना समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन जिला बेमेतरा गजानंद सिंह ठाकुर, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बेमेतरा संस्था के प्राचार्य सुदेश चटर्जी, विद्यालय के शिक्षकगण तथा अन्य गणमान्य नागरिक एवं

दिव्यांग बच्चों को वितरित की ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र व अन्य जरूरी सामग्री

जनकर्म न्यूज

तमनार। तमनार विकासखंड में शुक्रवार दिनांक 18 जून 2021 को मुख्य अतिथि वरिष्ठ नेता मुकुंद मुरारी पटनायक, विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्याम किशोर प्रधान, बीआरपी सूर्य कुमार पंडा की गरिमामय उपस्थिति में दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के आधार पर सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें बीआरपी सुमना दत्ता के द्वारा चिन्ह अंकित बच्चों को व्हील ...

नग बांटा गया। यह सभी सामग्री सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय, रायगढ़ द्वारा प्राप्त हुआ था। आज ...

योगदान रहा।

इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों एवं पालकों के चेहरे ...

के बच्चों के लिए प्राप्त हो पाया। सुमना दत्ता ने एमआर बच्चों से संबोधित विशेष प्रशिक्षण प्राप्त ...

मीडिया गैलरी......

अनुकंपा नियुक्ति पर मुख्यमंत्री के निर्णय का लाभ, जिले में 65 दिवंगत कर्मचारी के आश्रितों को दी गई अनुकंपा नियुक्ति

» 22 और 26 मई 2021 को दिवंगत हुए कर्मचारियों के आश्रितों को महज 5 से 8 दिनों के भीतर मिली अनुकंपा नियुक्ति

» कलेक्टर भीम सिंह ने सभी नियुक्ति प्राप्त परिजनों को दी शुभकामनाएं

रायगढ़@हरिभूमि

अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में दस प्रतिशत की सीमा शिथिल करने के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्णय से युवाओं के लिए सरकारी नौकरी के द्वार खुल गये है। यह सीमा 31 मई तक शिथिल की गई थी। 10 प्रतिशत की सीमा के शिथिल होने से शिक्षा विभाग के 65 दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गयी। छत्तीसगढ़ मंत्री परिषद की बैठक में तृतीय श्रेणी के पदों पर 31 मई 2021 तक 10 प्रतिशत बंधन सीमा को शिथिल करने के लिए गए निर्णय के परिपालन में कलेक्टर भीम सिंह द्वारा डीईओ आर.पी.आदित्य को प्राप्त प्रकरणों को त्वरित निराकृत करने के लिये निर्देशानुसार 65 दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई। कलेक्टर सिंह ने दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। उन्होंने परिजनों के प्रति सहानुभूति व संवेदना व्यक्त करते हुए भविष्य में अच्छे कार्य निष्पादन हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में 22 मई व 26 मई 2021 को दिवंगत हुए कर्मचारियों से आवेदन मंगाकर उनके आश्रितों को भी अनुकंपा नियुक्ति दी गई। जिसमें 22 मई 2021 को दिवंगत हुए स्वर्गीय पारस नाथ नायक व्याख्याता, शा.उ.मा.वि., तौसीर बरमकेला की आश्रित श्रीमती सविता नायक को शा.उ.मा.वि.बोन्दा बरमकेला रायगढ़ एवं स्वर्गीय जीवन सिंह सिदार, प्र.पा.शा.उ.मा.वि.झिगोल तमनार के आश्रित नैतिक जगत को हाई स्कूल जिवरी तमनार तथा 26 मई को दिवंगत हुए स्वर्गीय कृष्णदेव मिश्रा शिक्षक एलबी शा.मा.शा.गोरखा रायगढ़ के आश्रित श्रीमती श्वेता मिश्रा को शा.बहु.उ.मा.वि.कटहर में महज 5 से 8 दिनों के भीतर ही अनुकंपा नियुक्ति दी गई। विदित हो कि पात्र 65 दिवंगत कर्मचारियों में ई-संवर्ग के 31 तथा टी संवर्ग के 34 आवेदकों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। शेष 38 व 2 कुल 40 प्रकरणों में आगामी निराकरण हेतु आगामी 2 जून को आवेदकों को 11 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रायगढ़ बुलाया गया है।

कलेक्टर ने की दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों से बात, दी नए पदस्थापना की शुभकामनाएं

कलेक्टर भीम सिंह ने दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों से बात करते हुए मृत कर्मचारियों के प्रति सहानुभूति व संवेदना प्रकट की व उन्हें नवीन पदस्थापना की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन ने कर्मचारी हितों का ध्यान रखते हुए अनुकंपा नियुक्ति में 10 प्रतिशत पदों की बंधन सीमा को शिथिल किया है। इससे दिवंगत के परिवारों को संबल मिलेगा, उनके जीवन में खुशियां आएंगी। आप सभी को नयी पदस्थापना की बहुत बहुत शुभकामनाएं। आगे आप सभी को बहुत मेहनत करनी है। अपने व अपने परिवार के नाम व जिले को रोशन करना है। आप सभी को भविष्य में और अधिक मेहनत से कार्य निष्पादन कर अपनी पहचान बनानी है।

क्या कहना है डीईओ का

जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी.आदित्य का कहना है कि वर्ष 2018 से लेकर आज दिनांक तक के कुल 65 हितग्राहियों को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया है। अब तक विभाग को मिले कुल 111 आवेदनों में से कुल 38 प्रकरणों पर आपत्ति सहित, 5 न्यायिक प्रकरण, 2 न्यायालयीन प्रकरण तथा 1 संचालक मार्गदर्शन वाले प्रकरण है। इनमें से 40 प्रकरणों पर आपत्ति निराकरण कर 2 जून को निर्णय लिया जाएगा। जिस हेतु इनमें आवेदकों को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बुलाया है। अनुकंपा नियुक्ति के इस सम्पूर्ण कार्य में पूरे कार्यालय ने टीम वर्क के साथ इस कार्य को अंजाम दिया है और शिक्षकों के सभी प्रकार के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु हम पूर्ण प्रतिबद्ध व सतत् प्रयासरत है।

बंद स्कूल से छोटे बच्चों की पढ़ाई ज्यादा प्रभावित

- पिछली कक्षा की प्रमुख पाठ्य वस्तुओं को पहले पढ़ाया जाएगा
- शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत ने सेतु अभियान 30 दिनों में

एक्सपर्ट की टीम गठित

एससीईआरटी के डायरेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कहा कि हर विषय के एक्सपर्ट की टीम गठित की गई है. एक्सपर्ट को हर क्लास के जरूरी

पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है

खबरों में हमारा शहर संवाददाता, नागपुर/रायपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय वेबीनार का आयोजन नवाचारी शिक्षक रामकुमार वर्मा के संयोजन, शिक्षिका के शारदा, रीता मंडल के सहयोग से संपन्न हुआ ।प्रारंभ में आयोजक शिक्षिका के शारदा ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अपने महासभा में 1972 को विश्व पर्यावरण पर्यावरण दिवस मनाए जाने तथा 5 जून 1974 से पहले पर्यावरण बनाए जाने की विशेष जानकारी दी। शिक्षक राम कुमार वर्मा ने वृक्षारोपण की दिशा में जन सहयोग, ग्रामीणों, युवकों को जोड़कर ऑक्सीजन जोन बनाने की की अपील की। मुख्य अतिथि प्रशांत पांडेय, सहायक संचालक राज्य साक्षरता प्राधिकरण रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बचपन से बच्चों को प्राकृतिक स्त्रोतों का आनंद लेने तथा संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। अतिथि वक्ता एवं पर्यावरणविद डॉ अनीता सावंत ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्यावरण व उसके पंचतत्व के महत्व को जीवन शैली से जोड़ा गया है। अतः बचपन

पर्यावरण को चार आर रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल एव री थिंकिंग के द्वारा बच्चों में बचपन से पर्यावरण के प्रति चेतना पैदा करने की अपील की तथा प्रकृति को सदैव देने वाला बताया ।शिक्षक विवेकानंद दिल्लीवार ने अपने स्कूलों में किए गए वृक्षारोपण के प्रयासों को बताते हुए बच्चों को निरंतर साथ में जोड़कर प्रयास करने की अपील की विशेष रूप से निरंतर ऑक्सीजन देने वाले पीपल और बरगद जैसे पौधों के अंकुरण में गिलहरी एवं पक्षियों की भूमिका को स्पष्ट की। शिक्षिका रीता मंडल ने सत्र का

करने की अपील की। शिक्षिका नंदिनी देशमुख ने अपने गांव बोरी की हमर हरियर गांव समिति द्वारा 500 पेड़ लगाए जाने व सुरक्षित रखने का उदाहरण रखकर जन समुदाय को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने की अपील की। शिक्षिका शालिनी दुबे ने अपनी मौलिक कविता के माध्यम से पर्यावरण का संरक्षण, प्राकृतिक स्त्रोतों एवं विरासत के संरक्षण के लिए बच्चों को प्रेरित व प्रोजेक्ट कार्य कराने की अपील की। शिक्षिका आशा सिंह ने अपने द्वारा आरोपित पौधों और उसमें आश्रय पाने वाले जीव -जंतुओं, चहचहाती पक्षियों की आवाज सुना कर शिक्षकों को प्रेरितकर इस दिशा में काम करने की प्रेरणा दी। शिक्षिका स्वाति पांडे ने पर्यावरण संरक्षण में विद्यार्थियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और बचपन से संस्कार देने, ऑक्सीजन बढ़ाने में पर्यावरण की भूमिका को बच्चों को समझाने की अपील की। इस दो घंटे के वेबीनार में विजय लक्ष्मी, अनीता, खेमलता गोस्वामी, सोनिया ध्रुव, पुष्पा परमेश्वर, नीलम सोरी, युगल राजपूत, आदित्य, मिलिंद चंद्रा, प्रज्ञा सिंह, दीपिका श्रीवास्तव, आदित्य राजपूत, वंदिता शर्मा,

'AMARITE' campaign receives overwhelming response

A student display her creative work done under 'AMARITE' campaign. (R) Students of Government Primary School Tilda display their creative writing.

■ Staff Reporter
RAIPUR, May 31

'AMARITE', the corrupt form of 'Am I Right?' introduced by Raipur District Education Officer (DEO) A N Banjara to keep children busy with various kind of activities and subsequently help them learn from it, is receiving overwhelming response from students across the district. The campaign is being implemented by the principals and teachers of the schools under the guidance of the DEO.

Children are sending their creative works in drawing, painting, plantation, essay writing,, story writing etc.

The DEO was of the view that even as study of students (class 1 to 12) continues through different mediums, it was necessary to engage them in extra times to keep them away from electronic gadgets. It was noticed that children were spending hours on mobile phones playing games which was harmful for their health. They can apply their mind in creative things in these times. Teachers are connected to the students and they are trying to join maximum students to the campaign, said the DEO. Elaborating on campaign, Banjara said, "Almost all of us have played the game 'Am I Right?' in our childhood for fun. Even today, children are playing this game which helps them learn a lot from each other. We have tried to use the same for the betterment of children more inclining towards mobile phones."

Block Development Officers and Block Resource Coordinators of Raipur district are helping the teachers in making the campaign a big success which will continue till June 30.

Students will prepare project file and submit to their respective schools on the opening of the schools. Evaluation of project will be done art school level and grade A, B and C will be awarded. This will also help students in the internal assessment in the next session, said the DEO.

The DEO has asked the principals, head masters and PLC members and CAC to organise webinar/fortnight discussion/review and complete the project work till June 30.

Students will be encouraged to plan sapling on the campus of their houses/other places and mentioned the height of the plant in the file, they will be asked to measure length and breadth of the window and door of their houses and find area, English names of 10 things being used in the house, name of elements found in the maternal villages, name of the games played in the villages, games played in the country, biography, question on food, jewellery, folk song and artists, name of successful farmers, kabad se jugad, mining, tourism, sanctuary, various schemes being run by government for better education, health, medical and cleanliness, a write up on Covid-19, name of capitals of ten countries etc. will be asked to students to keep them active.

Powered by Bharati Web Pvt Ltd

शिक्षक वनांचल के बच्चों को कर रहे पेपर वितरण

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

राजनांदगांव, 2 जून। कोरोना महामारी के कारण विगत डेढ़ वर्ष से स्कूल बंद है। इसी कड़ी में राजनांदगांव जिले के मोहला वनांचल के प्राथमिक शाला मुचर के शिक्षक उमाशंकर दिल्लीवार और शेख अफजल द्वारा शाला के बच्चों के घर-घर जाकर आमाराइट प्रायोजना के प्रश्नों का प्रिंट आउट और प्रोजेक्ट लिखने के लिए पेपर का वितरण किया गया।

शिक्षक शेख अफजल ने बताया कि वनांचल में बच्चों को शिक्षा से जोड़ पाना वैसे भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कोरोनाकाल में ये कार्य और भी कठिन हो गया है, लेकिन शिक्षा विभाग राजनांदगांव

मिडिल स्कूल माटकसा की शिक्षिका ज्योति उके द्वारा भी इस विपरीत परिस्थिति में भी बच्चों को वर्क बुक और आमाराइट प्रायोजना की मदद से पढ़ाई से जोड़ने की दिशा में बहुत ही सराहनीय प्रयास किया है।

पढ़ई तुंहर दुआर के जिला मीडिया प्रभारी सतीश ब्यौहरे ने बताया कि शिक्षा विभाग मोहला बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रणी रहता है। मोहला एबीईओ राजेंद्र कुमार देवांगन ने मोहला ब्लॉक के शिक्षकों के इस नवाचारी प्रयास की प्रशंसा करते इसे विकासखंड के सभी स्कूलों में लागू करवाने की बात कही है। विभाग के नवाचारों की तारीफकरते संसदीय सचिव

सोशल मीडिया ग्रुप से करवाई पढ़ाई, नीलम बनीं एडुवॉरियर

जगदलपुर| बस्तर जिले की तोकापाल ब्लॉक की शिक्षिका को गुंजरात के एडुटर एप में एडुवॉरियर के रूप में जगह मिली है। दरअसल शिक्षिका नीलम शोरी ने कोविड काल में आंवराभाटा में पालकों से संपर्क बनाया और सोशल मंडिया पर ग्रुप बनाकर ऐसे पालकों और युवाओं, जिनके पास एंड्रॉइड मोबाइल है, उन्हें जोड़ा। इसके जरिए उन्होंने ऑनलाइन कक्षाएं लेने की शुरुआत की। नीलम से 17

नीलम शोरी

ऑनलाइन कक्षाएं ली और अपने साथ 74 बच्चों को जोड़ा, लेकिन ऑनलाइन क्लास में पालकों ने रूचि नहीं दिखाई। बावजूद उन्होंने शिक्षण संबंधित वीडियो, विज्ञान आधारित खिलौने के वीडियो, कार्टून, स्वरचित कहानियों को ग्रुप में सांझा किया। पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए पालकों की सहमति लेकर गांव की मितानिन के घर एलईडी टीवी लगवाया और बच्चों को पढ़ाने के लिए बुलवाया। इसके अलावा युवाओं से समन्वय बनाकर डिजिटल शिक्षा के जरिए बच्चों को पढ़ाने सहयोग भी लिया। इसके बाद शिक्षिका ने खुद ही हल्बी बोली पर बिग बुक बनाई।

मीडिया गैलरी.......

रोचक गतिविधियों के साथ बच्चे उठा रहे हैं ग्रीष्मकालीन अवकाश का आनंद

हरिभूमि न्यूज़ ›› धरसींवा

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों की अधिगम प्रक्रिया को सक्रिय रखने के उद्देश्य से रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी एएन बंजारा द्वारा अभिनव पहल करते हुए ग्रीष्मकालीन प्रायोजना आमाराइट के नाम से प्रारंभ की गई है। रायपुर जिले के इस कार्यक्रम को लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू किया गया है। इसके तहत कक्षा दूसरी से बारहवीं तक के प्रत्येक छात्र को कक्षा अनुसार प्रश्न दिए गए हैं, जो अत्यंत ही रोचक हैं। वर्तमान में यह प्रायोजना जारी है तथा बच्चों को 30 जून की अवधि तक इसे पूर्ण कर स्कूलों में जमा करना है। जिला शिक्षा अधिकारी एएन बंजारा तथा

विकासखंड धरसींवां में आमाराइट अभियान प्रगति पर

विभिन्न टीमों को दी गई जिम्मेदारी

गोस्वामी के नेतृत्व में आमाराइट कार्यक्रम निर्बाध गति से जारी है। बीईओ श्री गोस्वामी लगातार विकासखंड के प्राचार्यों, संकुल समन्वयकों, प्रधान पाठकों तथा पीएलसी सदस्यों की ऑनलाइन/ऑफलाइन बैठक लेकर इसे गति प्रदान कर रहे हैं। धरसींवां ग्रामीण के बीआरसी एनएस ठाकुर भी अपनी टीम के साथ लगातार क्रियान्वयन तथा मॉनिटरिंग के कार्यों में संलग्न हैं। धरसींवां के विभिन्न हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य भी अपने शिक्षकों के साथ सक्रिय योगदान दे रहे हैं। विभिन्न संकुलों के समन्वयक भी प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों की मीटिंग लेकर प्रायोजना की प्रगति में सहयोग दे रहे हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी के मार्गदर्शन में विकासखंड

मनोरंजक शिक्षा से आमाराईट के प्रति बच्चे हो रहे आकर्षित

गर्मियों में प्रोजेक्ट कार्य के जरिये बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

बीजापुर, 4 जून। कोरोना महामारी के 15 महीने से बंद पड़े कक्षाओं के कारण बच्चों की प्रभावित हुई शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की पहल पर आमाराईट के नाम से समर प्रोजेक्ट कार्य के रूप में बीजापुर विकासखण्ड में एक अभिनव पहल शुरू की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर के निर्देशन में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मोहम्मद जाकिर खान एवं खण्ड स्रोत समन्वयक कावेश्वर दुब्बा मार्गदर्शन में कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक के स्कूलों में आमाराईट परियोजना का आयोजन नियमित रूप से शुरू किया गया है। इस पहल के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त प्रोजेक्ट कार्य सभी स्कूलों में वितरित कर सभी बच्चों के लिए उपलब्ध कराया गया है जिसमें शिक्षकों के माध्यम से सभी बच्चों को उनके कक्षा के अनुरूप प्रोजेक्ट कार्य सम्पन्न कराया जा रहा है।

बीजापुर विकासखण्ड में 77 स्कूलों में लगभग 5000 बच्चों के साथ आमाराईट परियोजना कार्य प्रारंभ किया गया है जहां बच्चों को फोटो

प्रोजेक्ट वर्क दिये गये हैं। प्रोजेक्ट वर्क में सामान्य ज्ञान, कोरोना महामारी, टीकाकरण जनजागरूकता के साथ पाठ्यक्रम से संबंधित सामान्य कार्य बच्चों को दिये जा रहे हैं। ये सभी प्रोजेक्ट कार्य ग्रीष्मकालीन अवकाश में 30 जून तक विद्यार्थियों को दिये जायेंगे, जिसके तहत् सभी विद्यार्थी

कर संस्था में जमा करेंगे। आमाराईट को लेकर क्षेत्र के बच्चों में काफी उत्साह एवं सक्रियता देखी जा रही है, ऑनलाईन शिक्षण की सुचारू व्यवस्था नहीं होने से ऑफलाईन मोड में ज्यादातर बच्चे प्रोजेक्ट कार्य को पूरा कर रहे हैं। इन गतिविधियों में खेल तथा मनोरंजन होने से

पास के वातावरण, गतिविधियों तथा सामान्य ज्ञान के व्यवहारिक प्रश्न होने से बच्चों की इस कार्य के प्रति रुचि सहज रूप से दिख रही है। स्कूल के आस-पास रहने वाले बच्चे आमाराईट परियोजना को लेकर काफी आकर्षित हैं तथा अपने शिक्षकों से निरंतर सम्पर्क कर दिये गये कार्य को उत्साह के साथ पूरा कर रहे हैं इस नवाचार के जरिये बच्चों की रूकी हुई शिक्षा को फिर से गति देने में सफलता हासिल हो रही है।

आमाराईट प्रोजेक्ट को सुचारू रूप से क्रियान्वयन करने के लिए विकास के समस्त शिक्षकों के साथ शाला प्रबंधन समिति एवं महिला समूहों का भी सहयोग मिल रहा है। शिक्षकों के माध्यम से सभी बच्चों को परियोजना कार्य घर-घर सम्पर्क कर सरल ढंग से एवं बच्चों की सुविधा अनुसार हल करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया है। आमाराईट कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संकुल समन्वयक, राजेश मिश्रा, विजेन्द्र भदौरिया, आनंद टिग्गे, धुर्वा सत्यम, किशोर दुर्गम, प्रेम प्रकाश चापड़ी, लोकेश्वर सिंह चैहान, दिलीप दुर्गम, बाबूलाल नेताम, रमन झा, नवल सिंह यादव, कमल सिंह साहूल, राजेश सिंह एवं किरण कावरे की सक्रिय

11 लोगों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

रोजगार ● स्कूल शिक्षा विभाग में देंगे सेवा, नौ क्लर्क और दो बने सहायक शिक्षक

बेमेतरा(नईदुनिया न्यूज)। राज्य शासन द्वारा मानवीय सहानुभूति बरतते हुए कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण व अन्य कारणों से असमायिक मौत से शासकीय सेवकों के स्वजनों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की पहल की गई है। राज्य शासन द्वारा 22 मई को तृतीय श्रेणी के सीधी भर्ती के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए 10 प्रतिशत पदों के सीमा बंधन 31 मई तक शिथिलीकरण के बाद अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता रखने वाले स्वजनों को नियुक्ति देने के आदेश जारी किए गए थे।

स्व. मधुसुदन दास वैष्णव, नीरज वर्मा पिता स्व. चंद्रिका प्रसाद वर्मा सहायक ग्रेड-3 के पद पर अनुकंपा दी गई है। इसी नीतू साहू पत्नी स्व. गणेश प्रसाद साहू व ओमकार पटेल पिता स्व. पुरुषोत्तम पटेल को सहायक शिक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्तिआदेश जारी किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर शिव अनंत तायल ने कहा कि राज्य शासन द्वारा नियमों का शिथलीकरण करने से वे परिवार जो इस तकलीफ से गुजर रहे थे, उनके लिए नियुक्ति आदेश राहत प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि जिले के सभी बीईओ द्वारा मानवीय सहानुभूति के प्रकरणों पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए आवेदन को अग्रेषित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डीईओ मधुलिका तिवारी ने बताया कि विभाग में

शिक्षिका नीलम शोरी के कार्यों की झलक गुजरात के एडुटर ऐप में

हरिभूमि न्यूज़ ›› जगदलपुर

कोरोनाकाल में ऑनलाइन शिक्षा और नवाचार के माध्यम से नया प्रयोग से बच्चों को मिला लाभ

आमाराइट प्रायोजना- बच्चों को कोरोना काल में भी पढ़ाई से जोड़ने का नवाचारी प्रयास

मोहला वनांचल में शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को ग्रीष्म अवकाश में दिए जा रहे प्रोजेक्ट कार्य,बच्चो को पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए प्रारंभ किया गया है आमाराइट प्रायोजना

राजनांदगांव(पहट)। कोरोना महामारी के कारण विगत डेढ़ वर्ष से स्कूल बंद है। बच्चों को सुरक्षित अपने घरों में रहते हुए नियमित पढ़ाई से जोड़े रखने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नित नए नवाचार किये जा रहे है। इसी कड़ी में ग्रीष्म अवकाश में बच्चों को सक्रिय रखने और अपने परिवेश से जोड़ने के उद्देश्य से आमाराइट प्रायोजना के नाम से प्रोजेक्ट वर्क देने का नवाचारी प्रयास किया जा रहा है। आमाराइट प्रायोजना के अंतर्गत बच्चें अपने पालकों का सहयोग लेते हुए सामान्य जानकारी प्राप्त कर प्रोजेक्ट फाइल तैयार कर शिक्षकों के पास जमा करेंगे और उसी के आधार पर बच्चों का मूल्यांकन होगा। इसी कड़ी में राजनांदगांव जिले के मोहला वनांचल में भी मुकादाह संकुल के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक शाला मुचर के शिक्षक उमाशंकर दिल्लीवार और शेख अफजल द्वारा भी शाला के बच्चों के घर घर जा कर आमाराइट प्रायोजना के प्रश्नों का प्रिंट आउट और प्रोजेक्ट

लिखने के लिए पेपर का वितरण किया गया। शिक्षक शेख अफजल ने बताया कि वनांचल में बच्चों को शिक्षा से जोड़ पाना वैसे भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कोरोना काल मे ये कार्य और भी कठिन हो गया है लेकिन शिक्षा विभाग राजनांदगांव और शिक्षा विभाग मोहला के अधिकारियों के सतत मार्गदर्शन में बच्चों को सुरक्षित और नियमित पढ़ाई से जोड़े रखने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए है।

शिक्षा को सुगम बनाने की दिशा में मोहला के शिक्षको का प्रयास सदा ही अनुकरणीय रहा है। सोमाटोला के शिक्षक राजकुमार यादव और मिडिल स्कूल माटकसा की शिक्षिका ज्योति ठके द्वारा भी इस विपरीत परिस्थिति में भी बच्चों को वर्क बुक और आमाराइट प्रायोजना की मदद से पढ़ाई से जोड़ने की दिशा में बहुत ही सराहनीय प्रयास किया है। पढ़ई तुंहर दुआर के जिला मीडिया प्रभारी सतीश ब्यौहरे ने बताया कि शिक्षा विभाग मोहला बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रणी रहता है। मोहला एबीईओ राजेंद्र कुमार देवांगन ने मोहला ब्लॉक के शिक्षकों के इस नवाचारी प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे विकासखंड के सभी स्कूलों में लागू करवाने की बात कही है। इस तरह से हम देखते है की कोरोना काल में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किये जा रहे नवाचार को नक्सल प्रभावित मोहला ब्लॉक में जमीनी स्तर पर लागू करने में मोहला ब्लॉक के शिक्षकों का प्रयास बहुत ही सराहनीय है और इससे वनांचल के बच्चों को निश्चित रूप से लाभ होगा। उक्त नवाचार पढ़ई तुंहर दुआर योजना अंतर्गत किया जा रहा है। वर्तमान परिदृश्य में बच्चो की पढ़ाई के लिए पालकों के साथ साथ विभाग भी प्रयत्नशील है ऐसे में कुछ नया करना बहुत जरूरी है। मोहला के शिक्षको ने पहले भी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अच्छी व्यवस्था का बीड़ा उठाया है। कोविड 19 महामारी के चलते अब भी शिक्षक अपने कार्यों में मुस्तैदी से डटे हुए है। विभाग के नवाचारों की तारीफ करते हुए संसदीय सचिव इन्द्रशाह मण्डावी ,समाजसेवी संजय जैन,जिला शिक्षा अधिकारी एच आर सोम, डीएमसी भूपेश साहू, एपीसी सतीश ब्यौहरे, जिला मीडिया सहयोगी परसराम झाड़े व दुर्गेश त्रिवेदी ने शुभकामनाएं दी है।

दूसरी कक्षा के बच्चों को बताना होगा मामा-बुआ के गांव का नाम

पहल

- गर्मी छुट्टी में बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने की पहल प्रायोजना कार्य दिया
- आमाराइट प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के स्कूलों लागू, स्कूल खुलने के बाद करेंगे जमा

● नवभारत न्यूज़ | रायगढ़.

www.navbharat.org

कक्षा दूसरी के बच्चे बताएंगे अपने मामा और फूफ (बुआ) के गांव का नाम. कोरोना शब्द में कितने स्वर और व्यंजन जैसे प्रश्नों का उत्तर देंगे. दरअसल गर्मी की छुट्टी में सरकारी स्कूल के बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए सरकार ने आमाराइट योजना लागू की है. इसमें कक्षा दूसरी से 12 वीं तक के बच्चों के लिए प्रायोजना कार्य दिया गया है. इसमें ऐसे प्रश्नों को शामिल किया गया है जो बच्चों के दैनिक दिनचर्या और छत्तीसगढ़ी खेल से जुड़ा हुआ है. जो प्रायोजना कार्य करेंगे इसे स्कूल खुलने के बाद जमा करना होगा. इसमें ए,बी और सी तीन ग्रेड दिया जाएगा. इसका अंक भी वार्षिक परीक्षा में

फाइल फोटो

ऐसे दिए गए हैं प्रायोजना कार्य

कक्षा तीसरी और चौथी- अंग्रेजी में सप्ताह के दिन, 12 महीनों का नाम, अलग-अलग पौधों के नाम, छत्तीसगढ़ में जो गहने पहना जाता है उनका नाम और खुद के घर का नक्शा बनाकर रंग भरना.

कक्षा 5 वीं- हिंदी महीनों का नाम और उस माह में मनाए जाने वाले त्यौहार, घर के खिड़की-दरवाजों की लंबाई-चौड़ाई इंच में नापकर क्षेत्रफल, गांव में कितने प्रकार के पत्थर और मिट्टी, छत्तीसगढ़ी हाना(मुहावरा) लिखना है.

कक्षा 9 वीं- वैज्ञानिकों के नाम और खोज, विभिन्न राज्यों की प्रमुख फसल की जानकारी, स्कूल के आसपास कौन-कौन से कार्यालय मौजूद है, चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण का मॉडल, 10 बीमारियों के नाम, लक्षण व बचाव, दादा-दादी और नाना-नानी के बारे में 10-10 वाक्य लिखना है.

11 वीं और 12वीं- 10 देशों की मुद्रा के नाम, शहर-गांव के हाट-बाजार का विवरण, कोरोना के बारे में, प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के नाम, दैनिक जीवन में उपयोग मेंआने वाले रासायनिक पदार्थों का नाम, प्रत्येक घर, बाड़ी या गांव में पेड़ लगाएंगे.

आमाराइट योजना के तहत प्रायोजना कार्य दिया गया है. उसे बच्चों को करना है और स्कूल खुलने के बाद जमा करना है. इसमें ग्रेड मिलेगा जो वार्षिक परीक्षा में जुड़ेगा.

हमारे नायक

नीति श्रीवास्तव

कु.खुशबू ब्राह

रामू राम सिन्हा

कहकशा ताज

कमलेश्वर साहू

गुना राम चंदेल

रीति पंडा

Manoj Kashyap

कृष्ण कुमार साहू

भवेश चन्द्र मण्डल

आशा कुरैशी

कल्याणी यादव

शैलेष कुमार सोनी

Neha singh

Brijendra Kumar Tiwari

Kumar Verma

सूरज कांति गुप्ता

PAWAN KUMAR SINGH

Dikesh kumar vaidya

पवन कुमार साहू

बिशम्भर दास

राजेश कुमार पाण्डेय

देवचरण डाहिरे

दिनेश कुमार नेताम

Babu Lal Pandey

संतोष कुमार सोनी

जीवन लाल जोशी,

हिरेंद्र कुमार बेहार

दिनेश कुमार साहू

Pradip Kumar Sahu

संपादक मंडल

• डॉ. योगेश शिवहरे • ए. के. सोमशेखर • प्रशांत कुमार पाण्डेय • डॉ. एम. सुधीश

• डॉ. विद्यावती चंद्राकर • सत्यराज अय्यर • डॉ. जयाभारती चंद्राकर

नीचे दिये गए बटन पर टैप करके हमसे जुड़े

t.me/ptdnews /ptdchhattisgarh पढ़ई तुंहर दुआर scert.del@gmail.com